तापमान

अधिकतम 34.9 डिग्री

न्यूनतम 25.4 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, रविवार 21 जुलाई 2024

सांपों की पसंदीदा जगह मंत्रालय से लेकर मंत्री बंगला रेस्क्यू करने नियमित आ रहे 40 से ज्यादा कॉल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बारिश के मौसम में सांप निकलना आम घटना है, लेकिन इस वर्ष अन्य वर्षों की तुलना में सांप निकलने की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। इसकी बड़ी वजह पर्याप्त मात्रा में बारिश नहीं होने से उमस बढ़ना है। उमस बढ़ने की वजह से सांप अपने बिलों से ज्यादा निकल रहे हैं। सांप निकलने की ज्यादातर घटनाएं नई कालोनियों के साथ ही आउटर क्षेत्र में हो रही हैं। स्नैक रेस्क्यू करने वाली संस्था नोवा नेचर के मुताबिक राजधानी में इस बार कई अलग-अलग कालोनियों में इंडियन कोबरा के साथ रसल वाइपर, करैत प्रजाति के सांपों का रेस्क्यू किया गया है।

▶▶| शेष पेज 13 पर

मंत्रालय में जहरीले से लेकर सामान्य प्रजाति के सांप

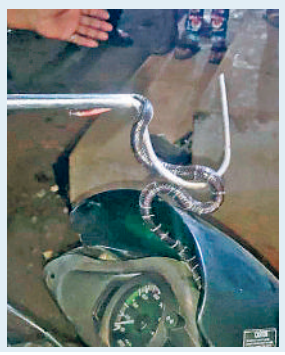

स्नैक रेस्क्यू करने वाली टीम के मुताबिक मंत्रालय सहित नवा रायपुर के कई सरकारी कार्यालयों में इस वर्ष 15 जून के बाद से लेकर अब तक 15 से ज्यादा बार सांपों को रेस्क्यू किया गया है। मंत्रालय से हर तीसरे चौथे दिन सांप रेस्क्यू करने कॉल आते हैं। कई बार टीम के पहुंचने के पहले ही सांप निकल कर चले जाते हैं। मंत्रालय तथा नवा रायपुर के अन्य सरकारी कार्यालयों में जो सांप रेस्क्यू किए गए हैं, उनमें ज्यादातर इंडियन नाग के साथ ही रसल वाइपर, करैत प्रजाति के सांप हैं।

मंत्री बंगलों में सांप निकलने की घटना आम

स्नैक रेस्क्यू टीम के मुताबिक मंत्री बंगलों में सांप निकलने की घटना आम है। इस वर्ष मुख्यमंत्री निवास में दो से तीन बार तथा अन्य मंत्री ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित अन्य मंत्रियों के बंगलों में दो से तीन बार स्नैक रेस्क्यू किया जा चुका है। मंत्री बंगलों में जो सांप रेस्क्यू किए गए हैं, उनमें कामन सांप हैं, जो जहरीले नहीं होते।

सांप को लेकर जागरूकता बढ़ी

स्नैक रेस्क्यू टीम के मुताबिक लोगों में सांपों को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इस वजह से लोग सांप को मारने के बजाय सकुशल रेस्क्यू कर सुरक्षित जगह में छोड़वाने पर विश्वास कर रहे हैं। इस वजह से स्नैक रेस्क्यू टीम के पास लोग कॉल कर सांप पकड़ने मदद मांग रहे हैं। स्नैक रेस्क्यू टीम के मुताबिक उनके पास कई ऐसे कॉल आते हैं, जो रास्ते में सांप देखने पर उन्हें काल कर सांप होने की जानकारी देते हैं।

इन इलाकों में अधिक

स्नैक रेस्क्यू टीम के मुताबिक सांप रेस्क्यू करने उनके पास इस वर्ष सबसे ज्यादा कॉल कचना हाउसिंग बोर्ड सोसाइटी के साथ कचना में नई तैयार कालोनियों से कॉल आ रहे हैं। रेस्क्यू टीम के पास कचना के अलावा रविशंकर यूनिवर्सिटी कैंपस, विधानसभा रोड तथा सेजबहार की अलग-अलग कालोनियों से स्नैक रेस्क्यू करने कॉल आ रहे हैं। इन कालोनियों में ज्यादातर इंडियन कोबरा के अलावा रसल वाइपर, करैत जैसे सांप रेस्क्यू किए गए हैं। टीम के पास शहर की सबसे वीआईपी कालोनी मौलश्री विहार से भी सांप रेस्क्यू करने कॉल आ रहे हैं।

पुलिस शूटर्स तक नहीं पहुंची, पर दो मददगार धर लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेलीबांधा शूट आउट मामले में पुलिस ने शूटरों के दो मददगारों को शनिवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल किया है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने शूटरों के जिन दो मददगारों को गिरफ्तार किया है, दोनों स्थानीय नहीं हैं। दोनों मददगार बाहर के हैं। इनमें एक पर शूटरों को पिस्टल उपलब्ध कराने तथा दूसरे पर बाइक उपलब्ध कराने का आरोप है। इधर, कारोबारी की कार पर फायरिंग करने वाले शूटर्स पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। बदमाशों को दबोचने पुलिस दिल्ली तथा हरियाणा से सटे सीमावर्ती राज्यों में छापे की कार्रवाई कर रही है।

गौरतलब है कि एक सप्ताह पूर्व अमन साहू गैंग के दो अज्ञात बदमाशों ने तेलीबांधा थाना क्षेत्र के रिंग रोड में दहशत फैलाने के उद्देश्य से कारोबारी की कार पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया और ▶▶| शेष पेज 13 पर

चार राज्यों में पुलिस कर रही छापेमारी

पुलिस को आशंका है कि बदमाश शूट आउट की घटना को अंजाम देने के बाद झारखंड, राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश में छिपे हो सकते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस की अलग-अलग टीम इन चार राज्यों में छापे की कार्रवाई कर रही है। शूटरों के बारे में पुलिस को और किसी तरह से इनपुट अब तक नहीं मिले हैं।

मददगारों से कोई जानकारी नहीं मिल पाई

पुलिस ने शूटरों के जिन दो मददगारों को गिरफ्तार किया है, उनसे पूछताछ में पुलिस को कोई विशेष कामयाबी नहीं मिल पाई है। बाइक चोरी करने वाले ने पुलिस को बताया है कि उसने जो बाइक चोरी की थी, उसे उसने किसी अन्य आदमी को बेचा था। अन्य आदमी के माध्यम से शूटरों तक चोरी की बाइक पहुंची है। इसी तरह से पिस्टल उपलब्ध कराने वाले ने पुलिस को किसी तीसरे आदमी के माध्यम से शूटरों तक पिस्टल पहुंचाए जाने की जानकारी दी है।

ठेले-खोमचे के बाद शॉपिंग मॉल की दुकानों तक पहुंची टीम

मॉल के फूड जोन में जला तेल, एक्सपायरी सूजी और गंदा मैदा, खाद्य विभाग ने मारा छापा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ठेले-खोमचे में खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता की जांच करने वाली खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने शॉपिंग मॉल के फूड जोन पर छापा मारा है। जांच के दौरान वहां तलने के लिए जला हुआ तेल, एक्सपायरी हो चुकी सूजी और गंदा मैदा का उपयोग किए जाने का पता चला। तेल को जब्त करने के साथ सूजी और मैदा को नष्ट कराया गया है।

- सभी को नोटिस, लाइसेंस नहीं होने पर मोमोज अड्डा बंद कराया

शुक्रवार रात जांच टीम मैग्ननेटो मॉल और सिटी सेंटर मॉल पहुंची। वहां संचालित होने वाले नामी कंपनियों के फूड जोन में जांच शुरू हुई, तो विभिन्न खामियां मिलीं। जांच के दौरान सिटी सेंटर मॉल के मोमोज अड्डा संचालन का विभागीय स्तर पर पंजीयन नहीं पाया गया, तो उसे प्रक्रिया पूरी करने तक बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं जांच के दौरान दोनों मॉल के फूड जोन में खाद्य पदार्थ के निर्माण के लिए गंभीर लापरवाही सामने आई है। कहीं खाद्य पदार्थ को तलने के लिए तेल का बार-बार उपयोग किया जा रहा था, जिससे वह खतरनाक स्थिति तक पहुंच चुका था, तो कहीं साफ-सफाई का तनिक भी ख्याल नहीं रखा जा रहा था। लोगों को एक्सपायरी हो चुके सामान से खाद्य ▶▶| शेष पेज 13 पर

सभी खाद्य संस्थानों की जांच

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को सभी स्तर के उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण खाद्य सुनिश्चित कराने छोटे से लेकर बड़े सभी प्रकार के खाद्य संस्थानों की सतत जांच के निर्देश दिए गए हैं। लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई भी की जा रही है।

- कुलदीप शर्मा, नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन

कहां क्या लापरवाही

मैग्ननेटो मॉल का केएफसी- तलने के उपयोग होने वाले तेल में टीपीएम की मात्रा 30 प्रतिशत से अधिक। लगभग सौ लीटर तेल जब्त किया गया। शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थ की बिक्री के लिए काउंटर पर पहचान के लिए व्यवस्थित इंतजाम नहीं। नोटिस जारी कर मांगा गया जवाब।

सिटी सेंटर मॉल का पिज्जा हट- वेज एवं नॉनवेज रखने के लिए एक ही फ्रीजर का उपयोग। अपूवल एजेंसी से पेस्ट कंट्रोल प्रोग्राम नहीं कराया गया। संस्था के कर्मचारियों की मेडिकल टेस्ट रिपोर्ट नहीं मिली। संबंधित कमियों को 14 दिन में दूर करने के लिए इंप्रूवमेंट नोटिस जारी।

सिटी सेंटर का मोमोस अड्डा- चार किलो एक्सपायर सूजी आटा और मोमोस बनाने वाले 25 किलो मैदा में गंदगी। सैंपल लेकर दोनों को नष्ट कराया गया। अपूव एजेंसी से पेस्ट कंट्रोल प्रोग्राम नहीं कराया गया। जांच के दौरान वैध खाद्य अनुज्ञापन नहीं पाया गया।

दो बेकरी में छापामारी, सील कर 30 हजार जुर्माना

निर्धारित नियमों का पालन करने के बजाए आम लोगों को गुणवत्ताहीन केक और अन्य सामान उपलब्ध कराने वाली टिकरापारा की दो बेकरी को खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने सील कर दिया है। दोनों संस्थानों में सुरक्षा के अभाव में रखी गई 750 किलो खाद्य सामग्री को नष्ट कराया गया है। दोनों संस्थानों पर 30 हजार का जुर्माना भी ठोका गया है। टिकरापारा की जन्नत और अमानत बेकरी में खाद्य पदार्थ का निर्माण करने साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा गया था। कार्यरत कर्मचारियों की मेडिकल जांच नहीं की गई थी। कर्मचारियों को हाई रिस्क खाद्य कारखाने में काम करने की ट्रेनिंग नहीं दी गई थी। क्रय-विक्रय का रिकार्ड नहीं था। कारखाने की पेस्ट एक्टिविटी के लिए कंट्रोल ट्रीटमेंट नहीं कराया गया था। दोनों संस्थानों से केस बेस एवं केक का विधिक नमूना लिया गया है। उन्हें सुधार पूर्ण करने तक सील कर दिया गया है।

कोलकाता और हैदराबाद की फ्लाइट कैंसिल, दूसरे दिन भी प्रभावित रही उड़ान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में आई खराबी का असर शनिवार को भी रायपुर से संचालित होने वाली फ्लाइटों पर नजर आया। रायपुर से कोलकाता और हैदराबाद के लिए आवाजाही करने वाली फ्लाइट कैंसिल रही। इसके साथ ही विभिन्न शहरों की उड़ान का संचालन विलंब से किया गया, जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सर्वर में आने वाली खराबी की वजह से विमानन कंपनियों को यात्रियों की बोर्डिंग सहित अन्य जांच की प्रक्रिया मैनुअली पूरी करनी पड़ रही है, जिसकी वजह से विमानतल पर यात्रियों की भीड़ लगी हुई है। यात्रियों में इस बात की नाराजगी है कि उन्हें सही वस्तुस्थिति की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। शनिवार को भी यात्री काफी परेशान रहे। सुबह के वक्त कोलकाता-रायपुर-कोलकाता और हैदराबाद-रायपुर-हैदराबाद के बीच संचालित होने वाली इंडिगो की दो उड़ान का संचालन नहीं हुआ। दोनों फ्लाइट के यात्री इसे लेकर काफी नाराज थे। उनका आरोप था कि फ्लाइट के कैंसिल होने की जानकारी एयरपोर्ट आने के बाद मिल रही है और यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा है कि टिकट वापसी का रिफंड किस तरह किया जाएगा। हैदराबाद की फ्लाइट में अन्य यात्रियों के साथ हज यात्रा में जाने वाले लोग भी शामिल थे, जिन्हें अन्य शहरों से जाकर कनेक्टिंग फ्लाइट भी पकड़नी थी। दोनों उड़ानों के स्थगित होने के साथ सात फ्लाइट अपने निर्धारित समय के बजाए विलंब ▶▶| शेष पेज 13 पर

आधा दर्जन फ्लाइट की आवाजाही विलंब से, यात्री होते रहे हलाकान

यह फ्लाइट लेट

रायपुर से दोपहर साढ़े 11 बजे बैंगलोर जाने वाली फ्लाइट 1.47 घंटा, मुंबई की 5.53 वाली उड़ान 35 मिनट, कोलकाता साढ़े छह बजे वाली फ्लाइट 1.35 मिनट, शाम 7.35 बजे गोवा की उड़ान 40 मिनट, 7.55 वाली बैंगलोर फ्लाइट 1 घंटे, कोलकाता की 8.45 बजे की फ्लाइट 35 मिनट तथा हैदराबाद की 8.40 बजे की उड़ान 20 मिनट विलंब से संचालित हुई।

कर्नाटक तय कर रहा कीमत

तीन ट्रक के दाम पर अब एक ट्रक टमाटर, इसलिए चिल्हर में 100 रुपए दाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

टमाटर के दाम एक बार फिर से आमजनों को रुलाने लगे हैं। एक ही दिन में इसकी कीमत में ऐसा उछाल आया कि चिल्हर में दाम 60 रुपए से सौ रुपए हो गए। इसके पीछे का कारण यह है कि इस समय अपने प्रदेश में टमाटर की आवक कर्नाटक से हो रही है। वहां से ज्यादा कीमत में टमाटर आ रहे हैं। जिस कीमत पर पहले तीन ट्रक टमाटर आते थे, उसी कीमत पर इस समय एक ट्रक ही टमाटर आ रहा है। अप्रैल तक लोकल टमाटर ▶▶| शेष पेज 13 पर

कीमत ज्यादा, इसलिए आवक आधी

टमाटर इस समय कर्नाटक से आ रहा है। कीमत ज्यादा होने के कारण अब रोज 8 से 12 ट्रक ही माल आ रहा है। सामान्य समय में 20 से 25 ट्रक माल आता है। थोक में कीमत 60 से 65 रुपए पड़ रही है।

- टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, थोक सब्जी संघ, डूमरतराई

20 का टमाटर अब 100 तक पहुंचा

लोकल फसल के चलते अप्रैल में टमाटर की कीमत 20 रुपए थी। लोकल फसल का आना बंद हुआ और बाहर से माल आने लगा तो कीमत के बढ़ने का क्रम प्रारंभ हो गया। प्रारंभ में कीमत ज्यादा नहीं रही, लेकिन मई और जून में कीमत डबल होकर 40 रुपए तक पहुंच गई। इसके बाद जुलाई से कीमत तेजी से बढ़ने लगी। अब स्थिति यह हो गई है कि चिल्हर में कीमत सौ रुपए तक हो गई है। एक ही दिन में कीमत 40 रुपए तक बढ़ी है। बुधवार को चिल्हर बाजार में कीमत 50 से 60 रुपए थी, लेकिन अचानक गुरुवार को कीमत 90 से 100 रुपए हो गई। इसके पीछे का कारण थोक कारोबारी यह बताते हैं कि मंगलवार ▶▶| शेष पेज 13 पर

सेलगढ़

आज का स्पेशल ऑफर

गृह उपयोगी समान, हैण्डलूम एवं सम्पूर्ण पारिवारिक वस्त्र अविश्सनीय रेट पर

ऑनलाईन स्पेशल फैंसी 3डी प्रिंट

डबलबेड

बेडशीट

आकर्षक प्रिंट एवं डिजाईन में

3 डबल बेडशीट + 6 पिलो कव्हर

₹399

3 बेडशीट + 6 पिलो कव्हर

कुल 9 पीस कीमत मात्र ₹399

ऑफर स्टॉक रहने तक...

स्पेशल ऑफर

बाजार मूल्य ₹49 प्रति पीस वाला

कारपेट प्रिंट फैंसी

पैरदान

मात्र ₹99 में

*condition apply

ऑफर स्टॉक रहने तक...

लूज क्रॉकरी कॉंच के ग्लास, डिनर सेट, कप, बाऊल, प्लेट, क्वार्टर प्लेट, सर्विंग बाऊल ₹9 से ₹199 तक

सुमीत सेलगढ़

हरिभूमि प्रेस के आगे, पुजारी पार्क के सामने मैन रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर

खबर संक्षेप

विधानसभा घेराव, कांग्रेस ने बनाया नियंत्रण कक्ष

रायपुर। प्रदेश की लचर कानून-व्यवस्था, अपहरण, लूट-पाट, हत्या और विगत दिनों बलौदाबाजार हिंसा के विरोध में 24 जुलाई को कांग्रेस, विधानसभा का घेराव करेगी। कार्यक्रम के लिए पीसीसी चीफ अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश स्तरीय नियंत्रण कक्ष का गठन किया है। प्रदेशस्तरीय नियंत्रण कक्ष का प्रभारी शैलेश नितिन त्रिवेदी को बनाया गया है। साथ ही सह-प्रभारी और सदस्य की भी नियुक्ति की गई है। नियंत्रण कक्ष से घेराव को सफल बनाने विधायक, पूर्व विधायक, स्थानीय जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नेताओं से समन्वय बनाने संपर्क किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज

रायपुर। विधानसभा के मानसून सत्र की रणनीति तैयार करने छत्तीसगढ़ कांग्रेस विधायक दल की बैठक रविवार शाम को होगी। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में सभी विधायकों को आमंत्रित किया गया है।

रायपुर पश्चिम के मतदाताओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर पश्चिम विधानसभा के मतदाताओं के सम्मान समारोह में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विधायक राजेश मूणत ने भगवान राम की प्रतिमा वाला मोमेंटो, शॉल और श्रीफल देकर मतदाताओं का सम्मान किया। बृजमोहन अग्रवाल ने मतदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा, लोकसभा की ऐतिहासिक विजय में हम आपके द्वारा मिले स्नेह का हृदय से अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करते हैं। यह ऐतिहासिक जीत बृजमोहन की नहीं, यह पूरे रायपुर लोकसभा के मतदाताओं और कार्यकर्ताओं की है। राजेश मूणत ने कहा, वास्तविकता में आप सभी मतदाता सम्मान के पात्र भी हैं, क्योंकि विपक्ष द्वारा लगातार भाजपा के खिलाफ भ्रम फैलाया जाता रहा, झूठा प्रचार किया जाता रहा, लेकिन धन्य हैं हमारे प्रदेश और देश की जनता जो कांग्रेस के किसी मायाजाल या भ्रम में ना पड़ते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान कर देश में पुनः नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में रायपुर लोकसभा में लगेंगे 11 लाख पौधे

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रदेश का मंत्री रहते हुए किए गए कामों का लेखा-जोखा देते हुए अपनी उपलब्धियां गिनाईं और कहा, अब राजधानी रायपुर का विकास तेजी से होगा। श्री अग्रवाल ने बताया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 11 लाख पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है। इसमें से रायपुर जिले में 8 लाख और बलौदाबाजार जिले में 3 लाख पौधे लगाए जाएंगे। शासकीय सीएसआर, जनभागीदारी से यह पौधारोपण किया जा रहा है। श्री अग्रवाल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया, अभियान की शुरुआत भाटापारा, बलौदाबाजार, अभनपुर एवं आरंग में शासकीय स्कूलों और कार्यालयों परिसर में में पौधे लगाकर की गई है। उन्होंने कहा, एक नया छत्तीसगढ़ बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण क्षेत्र में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार बनने के बाद शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन हुआ है। कांग्रेस सरकार ने राज्य में नई शिक्षा नीति लागू नहीं की थी, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद हमने इस दिशा में काम किया और उच्च शिक्षा के साथ-साथ स्कूल शिक्षा में भी नई शिक्षा नीति को लागू किया। श्री अग्रवाल ने पर्यटन मंत्री कार्यकाल के दौरान विभाग में किए गए कार्यों का लेखाजोखा दिया। उन्होंने बताया, प्रभु श्री रामलला (अयोध्या धाम) दर्शन यात्रा के तहत अभी तक 5100 श्रद्धालु यात्री निःशुल्क यात्रा कर अयोध्या और बनारस में दर्शन कर चुके हैं। इस विभाग की कई उपलब्धियों को भी उन्होंने गिनाया।

नगरीय निकाय चुनाव से पहले पांच सौ में मिलने लगेगा गैस सिलेंडर

रायपुर। रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शनिवार को यहां कहा, भाजपा अपने वादे के मुताबिक महिलाओं को नगरीय निकाय चुनाव से पहले पांच सौ रुपए में गैस सिलेंडर देना प्रारंभ करेगी। इसके पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी यह बात कर चुके हैं कि प्रदेश सरकार मोदी की गारंटी में किए गए वादे के मुताबिक पांच सौ में गैस सिलेंडर देने के वादे को जल्द पूरा करेगी। रायपुर पश्चिम में मतदाता सम्मेलन के बाद श्री अग्रवाल ने कहा, प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद भाजपा ने मोदी की गारंटी में जो भी वादे किए थे, उनको पूरा करने का काम प्रारंभ किया है। बहुत से वादे पूरे किए जा चुके हैं। अब जल्द ही महिलाओं को पांच सौ रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा भी पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है, भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले अपने घोषणापत्र में वादा किया था कि महिलाओं को पांच सौ रुपए में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। यह वादा अभी पूरा होना बाकी है। आने वाले समय में नगरीय निकाय चुनाव होने हैं। ऐसे भाजपा ने इस चुनाव से पहले अपने कुछ और वादे पूरे करने की योजना बनाई है।

राष्ट्रपति से बैगा जनजाति का रक्षा करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बैगा जनजाति के लोगों की प्रदेश में मलेरिया, डायरिया जैसी बीमारियों से अकाल मृत्यु पर शासन-प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं देने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति को पत्र लिखा है। बैगा जनजाति को राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र माना जाता है। उन्होंने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर संरक्षित बैगा जनजाति की जीवन की रक्षा के लिए इस विषय में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। श्री बघेल ने पत्र में लिखा, बड़े आहत मन से मैं आपका ध्यान छत्तीसगढ़ की संरक्षित अनुसूचित जन जाति, बैगा जनजाति जिन्हें राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र भी कहा जाता है, जिनको भारत के राष्ट्रपति द्वारा विशेष संरक्षण प्रदान किया गया है, छत्तीसगढ़ में इस बैगा जनजाति की दुर्दशा पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। चिंता का विषय है कि राज्य के कवर्धा जिले में बैगा जनजाति मलेरिया और डायरिया जैसी बीमारियों की चपेट में है, जिसके कारण ग्राम सोनवाही में 5 लोगों की मौतें भी हो गयी हैं। ग्राम-बाहना खोदरा एवं समीप के गांवों में भी कुछ लोगों की मौत की खबरे सामने आई हैं। दुर्भाग्यजनक है कि राज्य सरकार पीड़ितों के बचाव और इलाज करवाने के बजाय मामले को दबाने और मौतों को नकारने में लगी है। उन्होंने पत्र में लिखा, राज्य सरकार की अकर्मण्यता के कारण बैगा संरक्षित जनजाति के जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। मैं स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में गया था, वहां पर मलेरिया से बचाव के लिये लोगों को मच्छरदानी तक राज्य सरकार उपलब्ध नहीं करवा पा रही है।

शिक्षा भूमि

गुरू ब्रम्हा गुरू विष्णु, गुरू देवो महेश्वरा।
गुरू साक्षात परम्ब्रम्ह, तस्मय श्री गुरूवेनमः॥

गुरुपूर्णिमा

की हार्दिक शुभकामनाएं...

गुरुपूर्णिमा भारत में एक विशेष पर्व है जो गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए मनाया जाता है। यह पर्व हर साल आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह दिन महर्षि वेदव्यास के जन्मदिवस के रूप में भी जाना जाता है, जिन्होंने वेदों का संकलन और महाभारत की रचना की थी। इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में भी माना जाता है, जब छात्र अपने गुरु के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं।

आधुनिक युग में गुरुपूर्णिमा का महत्त्व

आज के समय में गुरुपूर्णिमा का महत्त्व और बढ़ गया है। इस दिन शिक्षण संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें छात्र अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। गुरुपूर्णिमा न केवल आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह शैक्षिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शैक्षिक संस्थानों में गुरुपूर्णिमा

शैक्षिक संस्थानों में इस दिन को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। स्कूल और कॉलेजों में विशेष सभा आयोजित होती है, जहाँ छात्र अपने शिक्षकों को धन्यवाद देते हैं और उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हैं। शिक्षक भी अपने शिष्यों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर उनका मार्गदर्शन करते हैं।

Contact for Ad- 7987119756

स्मार्ट सिटी के 3 एसटीपी का काम बेहद सुस्त, कमिश्नर बिफरे, काम का शेड्यूल मांगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के आधा दर्जन तालाबों में पहुंच रहे नालियों के गंदा पानी को साफ करने 3 जगहों पर बनाये जा रहे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम पिछड़ गया है। इस काम को पूरा होने में अभी 3 माह का समय और लगेगा। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने टिकरापारा के नरैया तालाब, पुरानी बस्ती के खोखो तालाब और महाराजबंध तालाब में एसटीपी निर्माण के लिए पुणे की समृद्धि एजेंसी को ठेका दिया है। काम की सुस्त रफ्तार को लेकर नगर निगम आयुक्त और स्मार्ट सिटी के एमडी अबिनाश मिश्रा ने नाराजगी जताई। स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट के निरीक्षण के समय संबंधित अधिकारियों को तय समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए। यही नहीं, प्रतिदिन के कार्य का प्रतिवेदन भी मांगा है। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड का 3 जगहों पर 20 करोड़ की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण का काम समय पर पूरा नहीं हो पाया है। इसके लिए अनुबंधित एजेंसी को निगम आयुक्त ने जमकर फटकार लगाई है। महाराजबंध तालाब किनारे 3 नालों का पानी साफ कर तालाब में छोड़ने 10 करोड़ की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जा रहा है। तालाब में वीरभद्र नगर, बूढ़ातालाब और पुलिस लाइन की तरफ से पुजारी पार्क से क्रॉस होने वाले नाले का गंदा पानी सीधे तालाब में बहकर जा रहा है। इस गंदे पानी को उपचारित करने 3 एमएलडी का ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जा रहा है। इसके बनने से रोजाना 30 लाख लीटर गंदा पानी महाराजबंध में नहीं घुलेगा। एसटीपी निर्माण में मैकेनिकल वर्क अब तक शुरू नहीं हुआ है। केवल सिविल वर्क का काम पूरा हो पाया है।

■ 20 करोड़ का प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं, नागपुर की एजेंसी को मिला ठेका

महाराजबंध तालाब, नरैया तालाब, खो-खो तालाब में एसटीपी का काम अधूरा

नरैया तालाब में एसटीपी निर्माण का काम सुस्त

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने तीनों एसटीपी के निर्माण का कार्य एक ही एजेंसी को दे रखा है। अनुबंधित एजेंसी ने अब तक एक भी एसटीपी के निर्माण का काम पूरा नहीं किया है। मैनपावर की कमी के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक ठेकेदार के लेबर ज्यादातर स्पॉट पर नदारद रहते हैं। विभागीय अधिकारी इसकी मानिटरिंग पर ध्यान नहीं दे रहे। यही वजह है कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण का काम आधा अधूरा हो पाया है।

खोखो तालाब में बन रहा एसटीपी

जोन 5 क्षेत्र के महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड के खोखो तालाब, बंधवा और पहलवदा तालाब में जल स्तर बढ़ाने और इन तालाबों के आसपास की नालियों का गंदा पानी तालाब में सीधे जाने से रोकने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य चल रहा है, पर मजदूरों की कमी से काम प्रभावित हुआ है।

खबर संक्षेप

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने दीं गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं

रायपुर। गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने समस्त गुरुजन, ऋषिजनों को नमन एवं प्रणाम कर स्मरण किया। साथ ही उन्होंने कहा कि गुरु शिव होता है, जो जिव्हा और हृदय में राम नाम को रखकर विष पीकर अमृतमय ही रहता है और उसी अमृत को शिष्य के हृदय में स्थापित कर उसे भी अमृतमय बना देता है। गुरुदेव की कृपा से शिष्य-गुरु तदरूपता प्राप्त कर शुद्ध बुद्ध और मुक्त होकर स्वालंबन के साथ आगे बढ़ता है। डॉ. महंत ने कहा कि गुरु अपने शिष्यों को हर संकट से बचाने के लिए प्रेरणा देते हैं। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है और इस दिन को वेदव्यास जयंती के रूप में मनाया जाता है।

गोवा में कुसुम श्रीश्रीमाल को मिला नेशनल अवार्ड

रायपुर। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन अपेक्स द्वारा 2 वर्षीय कार्यकाल की समीक्षा और अवार्ड सेरेमनी गोवा के ताज होटल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय लेडीज विंग की चेयरपर्सन संगीता लल्लवानी, डायरेक्टर सुनीता बोहरा और चीफ सेक्रेटरी शीतल दुग्गड़ के नेतृत्व हुआ। रायपुर की कुसुम श्रीश्रीमाल, जो मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की लेडीज विंग की कन्वेनर हैं, इन्होंने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में 5 महिला विंग की स्थापना भी की। इस कार्य से प्रभावित होकर अपेक्स के चेयरमैन कांतिलाल ओसवाल और जेएलएलडब्ल्यू के सेक्रेटरी संजय जैन, महिला विंग की चेयरपर्सन संगीता लल्लवानी द्वारा नेशनल अवार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी वो देश और समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में अपना योगदान देती रहेंगी।

भोजपुरी समाज की नई कार्यकारिणी शीघ्र घोषित

रायपुर। अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन इकाई छत्तीसगढ़ के विगत दिनों पुरानी कार्यकारिणी के सदस्यों की सदस्यता भंग कर दी गई थी। नई कार्यकारिणी की घोषणा शीघ्र ही भोजपुरी भवन बिरगांव में सभी सदस्यों के बीच की जाएगी। यह जानकारी देते हुए संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मुक्तिनाथ पांडे ने बताया कि नए और सक्रिय सदस्यों को इस बार भोजपुरी समाज के कार्यकारिणी में सम्मिलित किया जाएगा, जो पूरी तरह से निष्ठा के साथ समाज के दायित्वों का निर्वहन कर सकें। संरक्षक मंडल की संख्या यथावत रहेगी। उन्होंने बताया कि भोजपुरी समाज विकास कई वर्षों से समाज के उत्थान के लिए निम्नलिखित कार्य करता आ रहा है, समाज में फैली हुई कुरीतियां दूर करने का जिम्मा अखिल भारतीय भोजपुरी समाज पिछले कई वर्षों से उठा रहा है।

निधन

माया देवी सोनी

रायपुर। लिली चौक पुरानी बस्ती निवासी माया देवी सोनी (84) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 21 जुलाई को दोपहर 12 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे अधिवक्ता शेखर सोनी, पारस सोनी, प्रतिभा और प्रीति सोनी की माता थीं।

मेकाहारा में रक्तदान महाकुंभ आज, डिप्टी सीएम होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन द्वारा मेकाहारा हॉस्पिटल में 21 जुलाई को रक्तदान महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर क्लब के संरक्षक मनोज गोयल ने बताया कि पिछले 2 महीने से हेल्पिंग हैंड्स क्लब की पूरी टीम दिन-रात इस शिविर की तैयारी में जुटी हुई है, जितना ज्यादा रक्तदान होगा, उतनी ज्यादा मदद जरूरतमंद तक पहुंच पाएगी।

हेल्पिंग हैंड्स परिवार ने लोगों से अपील की है कि सभी इस रक्तदान शिविर में जरूर पहुंचें। राजधानी में गरीब व ग्रामीण वर्ग, जो मेकाहारा हॉस्पिटल में इलाज कराने पहुंचते हैं एवं रक्त के लिए परेशान रहते हैं, उन मरीजों के लिए निशुल्क रक्त उपलब्ध कराने रक्तदान महाकुंभ लगाया जा रहा है। इस शिविर में डिप्टी सीएम अरुण साव एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद बृजमोहन अग्रवाल समेत कई मंत्री व हस्तियां शामिल होंगी। साथ ही विधायक पुरंदर मिश्रा, बसना विधायक संपत अग्रवाल, सारंगढ़ विधायक उत्तरी जांगड़े, नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, दुर्ग संभाग आईजी रामगोपाल गर्ग, रायपुर एसएसपी संतोष कुमार सिंह, संजय अग्रवाल एनआर, सुनील रामदास, डीएसपी ललिता मेहर, ट्रैफिक एआईजी संजय शर्मा, करणी सेना अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तोमर, समाजसेवी और सेंट पॉल्स कैथेड्रल के पास्ट्रेट कोर्ट अध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ डायसिस के प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल सहित अन्य अतिथि शामिल होंगे।

चावल-शक्कर बिक्री में गड़बड़ी, तीन साल से जांच नहीं, दुकान संचालक बना रोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के कोटा स्थित राशन दुकान 441001007 सिद्धि पीठ खल्लारी महिला स्वसहायता समूह में तीन साल पहले चावल व शक्कर वितरण में गड़बड़ी किए जाने की शिकायत मिली थी, जिस पर खाद्य विभाग ने जांच टीम बनाई थी, लेकिन टीम जब जांच करने दुकान पहुंची, तो उसके संचालक ने अधिकारियों के साथ गाली-गलौज कर हिंसा का रवैया अपनाया। इसके कारण जांच किए बिना ही टीम लौट आई थी। इस घटना के बाद अधिकारियों ने दुकान संचालक के खिलाफ विभाग के संचालक से भी शिकायत की थी, लेकिन इस शिकायत के बाद न ही दुकानदार के खिलाफ कोई एक्शन लिया गया और न ही खाद्यान्न गड़बड़ी की जांच की गई। इधर माहभर पूर्व जिला खाद्य नियंत्रक का पदभार संभालने के बाद भूपेंद्र मिश्रा के संज्ञान में जब यह मामला आया, तो उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी अपर कलेक्टर को दी। इसके बाद अपर कलेक्टर ने विभाग के संचालक को पत्र लिखकर इससे संबंधित फाइल प्रशासन को उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। फाइल आने के बाद इस मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

■ नये जिला खाद्य अधिकारी ने चार्ज लेने के एक महीने बाद ही खुलवाई फाइल

जांच अधिकारियों के बयान व कार्रवाई की रिपोर्ट मंगाई गई

खाद्य विभाग के अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर ने इस मामले में खाद्य विभाग के संचालक को 5 जुलाई को पत्र लिखा है, जिसमें जांच टीम की कार्रवाई और अधिकारियों के बयान की रिपोर्ट प्रशासन को उपलब्ध कराने की मांग की गई है। जांच टीम की इस रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन अब इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगा।

जनवरी 2022 का मामला

राशन दुकान संचालक मधुसूदन मिश्रा के खिलाफ जनवरी 2022 में जिला खाद्य विभाग के पास शिकायत आई थी। इस शिकायत में एपीएल चावल की कालाबाजारी, केरोसिन वितरण नहीं करने, प्रधानमंत्री कल्याण कोष का चावल कम वितरण करने, शक्कर 20 प्रति किलो में कार्डधारियों को देने आदि शिकायत की गई थी। इस शिकायत पर फरवरी 2022 में जांच टीम गठित की गई थी। इस टीम में पहले संयुक्त संचालक दयामणि मिंज, सहायक संचालक सीमा अग्रवाल, सचिन मरकाम व प्रतिभा राठिया को शामिल किया गया था। इनमें दयामणि मिंज, प्रतिभा राठिया का स्थानांतरण होने के कारण उनकी जगह अपर संचालक जीएस पैकरा, व खाद्य निरीक्षक आस्था गौतम को शामिल किया गया था।

शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने पर एफआईआर दर्ज कराने के दिए गए थे निर्देश

जांच टीम के अधिकारियों के साथ दुकान संचालक द्वारा गाली-गलौज कर हिंसा का रवैया अपनाया गया था। इसके कारण जांच किए बिना ही टीम लौट आई थी। इस मामले की शिकायत पर विभाग की ओर से निर्देश जारी किए गए थे कि दुकान संचालक पर शासकीय कार्य में बांधा पहुंचाने पर एफआईआर दर्ज कराई जाए, लेकिन जिला विभाग के कुछ अधिकारियों ने दुकान संचालक को बचाने के लिए न ही एफआईआर कराई और न ही जांच होने दी। इसके बाद से इस मामले की फाइल डंप पड़ी हुई है।

गुंडागर्दी से परेशान आमजन, किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गुढ़ियारी थाना क्षेत्र की रामनगर चौकी में छह दिन पूर्व युवक को बंधक बनाकर बेसबॉल से अधमरा होते तक पिटाई कर मंदिरहसौद क्षेत्र में फेंके जाने की घटना से लोगों में आक्रोष है। क्षेत्र में मादक पदार्थों की अवैध खरीदी-बिक्री तथा गुंडागर्दी से परेशान लोगों ने शनिवार को कर्मा चौक पर प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर गुंडागर्दी रोकने में नाकामी का आरोप लगाता हुए असामाजिक तत्वों को प्रश्रय देने का आरोप लगाया है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक पुलिस की शह पर अपराधिक तत्व क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित मादक पदार्थों के साथ शराब बिक्री का काम कर रहे हैं। साथ ही सट्टा का संचालन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में आए दिन मारपीट के साथ चाकूबाजी की घटनाओं को बदमाश अंजाम दे रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर पीड़ितों की शिकायतों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। प्रदर्शनकारियों ने बेसबॉल से युवक की पिटाई मामले के आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी, गुंडागर्दी पर अंकुश के साथ मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर रोक लगाने की मांग करते हुए पुलिस को ज्ञापन सौंपा है।

■ बेसबॉल से अधमरा होते तक पिटाई की घटना से आक्रोश

पेज 11 के शेष ...

सांपों की पसंदीदा ....

सांप रेस्क्यू करने वाली संस्था नोवा नेचर के मोइज खान, एम. सूरज के मुताबिक जिन क्षेत्रों में ज्यादा पेड़, झाड़ी के साथ दलदली जमीन है, उन इलाकों में सांप निकलने की घटनाएं आम हैं। घनी आबादी वाले इलाके में सांप निकलने की घटनाएं होती हैं, लेकिन आउटर की तुलना में कम है। संस्था के मुताबिक उन लोगों के पास इस बार सांप रेस्क्यू करने नियमित 40 से ज्यादा कॉल आ रहे हैं, जो पिछली बार की तुलना में ज्यादा है।

पुलिस शूटर्स तक ...

फरार हो गए थे। पुलिस विवेचना में यह बात सामने आई थी कि शूटरों ने झारखंड, रांची से चोरी की बाइक से घटना को अंजाम दिया था। गैंग के अपराध करने के पैटर्न को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने आशंका जताई थी कि शूटरों ने जिस चोरी की बाइक से घटना को अंजाम दिया है, उस बाइक को चोरी करने वाला कोई और होगा। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने झारखंड पुलिस की मदद से बाइक चोरी करने वाले के बारे में जानकारी एकत्रित कर उसे गिरफ्तार किया। साथ ही बदमाशों को पिस्टल उपलब्ध कराने वाले बदमाश के बारे में जानकारी एकत्रित कर उसे भी गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

मॉल के फूड जोन ....

पदार्थ तैयार कर परोसा जा रहा था। तय नियमों का उल्लघंन करने के मामले में उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। इसके साथ उनके खिलाफ अन्य तरह की कार्रवाई भी की जा रही है।

कोलकाता और हैदराबाद ...

से रवाना हुई और यात्रियों को एयरपोर्ट पर यात्रा शुरू करने के लिए अतिरिक्त इंतजार करना पड़ा।

तीन ट्रक के ...

आने के कारण कीमत 20 रुपए थी, लेकिन लोकल फसल का आना बंद होते ही मई से टमाटर ने भाव खाना प्रारंभ किया है। अब तो इसकी कीमत इतनी हो गई है कि यह आम आदमी की पहुंच से भी बाहर हो गया है। अब सामान्य समय की तुलना में आवक भी आधी हो गई है। अपने प्रदेश में टमाटर की फसल अक्टूबर से आने लगती है और यह अप्रैल तक चलती है। इस अवधि में टमाटर की कीमत सबसे कम रहती है। जब दीपावली के आसपास टमाटर की फसल आती है, तब थोड़ी कीमत ज्यादा रहती है, लेकिन धीरे-धीरे कीमत कम होते पांच रुपए किलो तक चली जाती है। कई बार स्थिति यह रहती है कि किसानों को टमाटर फेंकना पड़ता है, क्योंकि उनको कीमत नहीं मिल पाती है। टमाटर तोड़ने के लिए ही एक रुपए प्रति किलो पर खर्च आ जाता है, लेकिन जब किसान टमाटर लेकर थोक मंडी में जाते हैं तो उनको एक से डेढ़ रुपए ही कीमत मिलती है। ऐसे में किसान टमाटर तोड़ते ही नहीं है।

500 प्रति क्रेट का टमाटर अब 14 सौ रुपए : कर्नाटक से टमाटर प्रारंभ में 500 रुपए क्रेट में आ रहा था, लेकिन अब यह वहां से 14 सौ रुपए क्रेट में आ रहा है, यानी कीमत तीन गुना हो गई है। ऐसे में पहले जितनी कीमत पर तीन ट्रक टमाटर आते थे, अब उतनी कीमत पर एक ट्रक टमाटर आ रहा है। 14 सौ रुपए में टमाटर आने के कारण यह थोक में 15 से 16 सौ रुपए क्रेट में बिक रहा है। ऐसे में यह थोक में ही 65 रुपए हो गया है। एक क्रेट में दो से तीन किलो टमाटर खराब भी निकल जाते हैं। इसको जोड़कर चिल्हर कारोबारी इसको 90 से 100 रुपए में बेच रहे हैं।

20 का टमाटर अब ....

को कर्नाटक से जो माल आया था, इसकी कीमत 11 सौ रुपए क्रेट थी, लेकिन बुधवार को जो माल आया, वह 13 सौ रुपए क्रेट में आया। ऐसे थोक में ही कीमत करीब 20 रुपए किलो तक बढ़ गई तो चिल्हर में यह 100 रुपए तक पहुंच गया।

पटवारी रिकार्ड में दर्ज त्रुटियों का सुधार करेंगे तहसीलदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के भू-स्वामियों को पटवारी रिकार्ड में त्रुटियों में सुधार के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। राजस्व विभाग ने भू-स्वामियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अब पटवारी रिकार्ड में दर्ज त्रुटियों का निराकरण करने के लिए तहसीलदारों को अधिकृत किया है। पूर्व में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को भू-स्वामियों के पटवारी रिकार्ड की त्रुटियों को निराकृत करने के लिए प्राधिकृत किया गया था। राजस्व रिकार्ड में त्रुटि सुधार के अभ्यावेदन पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी और इसके लिए तहसीलदारों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार विशेष सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन ने छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार द्वारा उक्त संहिता की धारा 115 के अधीन तहसीलदार को भूमि स्वामी, उसके पिता, पति के नाम, उपनाम, जाति, पते में लिपिकीय त्रुटि सुधार करने अधिकृत किया गया है। इसी प्रकार राजस्व रिकार्ड में कैफियत कॉलम में की गई त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि में सुधार करना, त्रुटिवश जोड़े गये खसरों को पृथक करना, भूमि के सिंचित, असिंचित होने संबंधी प्रविष्टि में सुधार करना, भूमि के एक फसली तथा बहु फसली की प्रविष्टि में त्रुटि सुधार करने के लिए तहसीलदार को अधिकृत किया गया है।

■ आम जनता को मिलेगी बड़ी राहत

इनमें कर सकते हैं सुधार

- भूमि स्वामी के पिता/पति के नाम/ उपनाम, जाति, पते में लिपिकीय त्रुटि सुधार
- त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि में सुधार
- त्रुटिवश जोड़े गये खसरों को पृथक करना
- भूमि के सिंचित, असिंचित होने संबंधी प्रविष्टि में सुधार करना
- भूमि के एक फसली, बहु फसली की प्रविष्टि में त्रुटि सुधार करना

आम सूचना दिनांक 16/07/2024 का खण्डन

श्री सत्येन्द्र सिंह ठाकुर, अधिवक्ता द्वारा नवभारत समाचार पत्र, सिटी संस्करण दिनांक 16/07/2024 में उनके पक्षकार प्रेमलाल साहू वगैरह पी. स्व. मेहत्तर निवासीगण ग्राम-भाठागांव, रायपुर की ओर से प्रकाशित आम सूचना का खण्डन एवं प्रतिउत्तर मैं अपने पक्षकार श्री इकबाल सिंग भल्ला पिता स्व. गुरमीत सिंग भल्ला, निवासी-वीआईपी करिश्मा, शंकरनगर, रायपुर की ओर से प्रस्तुत करता हूँ कि ग्राम-भाठागांव स्थित भूमि जिसका विवरण उक्त आम सूचना में लिखा गया है। खसरा नंबर 737, 772, 776, 777, 877 एवं 901 कुल रकबा 67.91 एकड़ में निहित स्व. मेहत्तर साहू के निश्चित विधिक अंश के संबंध में उसके वारिसान प्रेमलाल साहू वगैरह द्वारा मेरे पक्षकार के साथ विक्रय इकरारनामा का निष्पादन किया जाकर बयाने की राशि प्राप्त की गई है तथा उनके अंश की संपत्ति का कब्जा प्रदान करते हुये उनके द्वारा मेरे पक्षकार के पक्ष में पंजीकृत मुख्त्यारनामा भी प्रदान किया गया था, जिसके आधार पर मेरे पक्षकार का उपरोक्त भूमि में निहित स्व. मेहत्तर साहू के निश्चित विधिक अंश (इकरारशुदा भूमि) पर हित का सृजन हो चुका है। उपरोक्त प्रेमलाल साहू वगैरह के द्वारा मेरे पक्षकार से प्राप्त बयाने की राशि का उपयोग कर लेने एवं उनके द्वारा मेरे पक्षकार के पक्ष में निष्पादित इकरारनामा विद्यमान रहते हुये भी छल कपटपूर्वक उक्त मुख्त्यारनामे को निरस्त करवाया गया है, जिसकी जानकारी मेरे पक्षकार को उपरोक्त आम सूचना के माध्यम से होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा प्रेमलाल साहू वगैरह के विरूद्ध पुलिस में शिकायत की गई है जिस पर पुलिस थाना पुरानी बस्ती रायपुर द्वारा एफ.आई.आर. की कार्यवाही की जा रही है। चूँकि उपरोक्त प्रेमलाल साहू वगैरह के द्वारा उनके पूर्वज स्व. मेहत्तर साहू के अंश की संपत्ति को विक्रय किये जाने के संबंध में मेरे पक्षकार के साथ निष्पादित इकरारनामा की नियम एवं शर्तें वर्तमान तक विद्यमान एवं प्रभावशील हैं और बयाने की राशि प्रेमलाल साहू वगैरह के द्वारा उपयोग की जा चुकी है तथा उनके द्वारा मेरे पक्षकार को प्रदत्त मुख्त्यारनामा को छल, कपटपूर्वक मेरे पक्षकार की जानकारी के बिना निरस्त किया गया है। उनके द्वारा ही इकरारनामे के अपने भाग का परिपालन नहीं किया गया है, जबकि मेरा पक्षकार इकरारनामे के अपने भाग के परिपालन हेतु इच्छुक, तत्पर एवं सक्षम रहा है। तद्नुसार इकरारशुदा भूमि पर मेरे पक्षकार का हित निहित है।

अतः हर आम वो खास को सूचित किया जाता है कि कोई भी उपरोक्त आम सूचना में वर्णित असत्य एवं भ्रामक तथ्यों से दिग्भ्रमित ना हों।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक : 20/07/2024 भवदीय
जी. अहमद, अधिवक्ता
40/833, लालगंगा शॉपिंग मॉल के पीछे जी.ई. रोड, रायपुर, छ.ग.
मो.नं.-9893044770

आम सूचना दिनांक 16/07/2024 का खण्डन

आम सूचना दिनांक 16/07/2024 का खण्डन

श्री सत्येन्द्र सिंह ठाकुर, अधिवक्ता द्वारा हरिभूमि समाचार पत्र दिनांक 16/07/2024 में उनके पक्षकार प्रेमलाल साहू वगैरह पी. स्व. मेहत्तर निवासीगण ग्राम-भाठागांव, रायपुर की ओर से प्रकाशित आम सूचना का खण्डन एवं प्रतिउत्तर मैं अपने पक्षकार श्री इकबाल सिंग भल्ला पिता स्व. गुरमीत सिंग भल्ला, निवासी-वीआईपी करिश्मा, शंकरनगर, रायपुर की ओर से प्रस्तुत करता हूँ कि ग्राम-भाठागांव स्थित भूमि जिसका विवरण उक्त आम सूचना में लिखा गया है। खसरा नंबर 737, 772, 776, 777, 877 एवं 901 कुल रकबा 67.91 एकड़ में निहित स्व. मेहत्तर साहू के निश्चित विधिक अंश के संबंध में उसके वारिसान प्रेमलाल साहू वगैरह द्वारा मेरे पक्षकार के साथ विक्रय इकरारनामा का निष्पादन किया जाकर बयाने की राशि प्राप्त की गई है तथा उनके अंश की संपत्ति का कब्जा प्रदान करते हुये उनके द्वारा मेरे पक्षकार के पक्ष में पंजीकृत मुख्त्यारनामा भी प्रदान किया गया था, जिसके आधार पर मेरे पक्षकार का उपरोक्त भूमि में निहित स्व. मेहत्तर साहू के निश्चित विधिक अंश (इकरारशुदा भूमि) पर हित का सृजन हो चुका है। उपरोक्त प्रेमलाल साहू वगैरह के द्वारा मेरे पक्षकार से प्राप्त बयाने की राशि का उपयोग कर लेने एवं उनके द्वारा मेरे पक्षकार के पक्ष में निष्पादित इकरारनामा विद्यमान रहते हुये भी छल कपटपूर्वक उक्त मुख्त्यारनामे को निरस्त करवाया गया है, जिसकी जानकारी मेरे पक्षकार को उपरोक्त आम सूचना के माध्यम से होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा प्रेमलाल साहू वगैरह के विरूद्ध पुलिस में शिकायत की गई है जिस पर पुलिस थाना पुरानी बस्ती रायपुर द्वारा एफ.आई.आर. की कार्यवाही की जा रही है। चूँकि उपरोक्त प्रेमलाल साहू वगैरह के द्वारा उनके पूर्वज स्व. मेहत्तर साहू के अंश की संपत्ति को विक्रय किये जाने के संबंध में मेरे पक्षकार के साथ निष्पादित इकरारनामा की नियम एवं शर्तें वर्तमान तक विद्यमान एवं प्रभावशील हैं और बयाने की राशि प्रेमलाल साहू वगैरह के द्वारा उपयोग की जा चुकी है तथा उनके द्वारा मेरे पक्षकार को प्रदत्त मुख्त्यारनामा को छल, कपटपूर्वक मेरे पक्षकार की जानकारी के बिना निरस्त किया गया है। उनके द्वारा ही इकरारनामे के अपने भाग का परिपालन नहीं किया गया है, जबकि मेरा पक्षकार इकरारनामे के अपने भाग के परिपालन हेतु इच्छुक, तत्पर एवं सक्षम रहा है। तद्नुसार इकरारशुदा भूमि पर मेरे पक्षकार का हित निहित है।

अतः हर आम वो खास को सूचित किया जाता है कि कोई भी उपरोक्त आम सूचना में वर्णित असत्य एवं भ्रामक तथ्यों से दिग्भ्रमित ना हों।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक : 20/07/2024 भवदीय
जी. अहमद, अधिवक्ता
40/833, लालगंगा शॉपिंग मॉल के पीछे जी.ई. रोड, रायपुर, छ.ग.
मो.नं.-9893044770

आम-सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार श्री राजेन्द्र राठौर पिता स्व. श्री अबीरचंद राठौर निवासी 29, शाला मार्ग चौबे कॉलोनी, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा विक्रेतागण 1. सोहन उर्फ भीमा सोनकर 2. ईश्वर कुमार सोनकर 3. रामदुलारे 4. महेश कुमार 5. रवि प्रकाश पांचो पिता स्व. गंगाराम सोनकर, 6 जयप्रकाश सोनकर 7. अजय सोनकर 8. रमा सोनकर 9. ललिता सोनकर 10. अनिता सोनकर 11. सविता सोनकर पिता स्व. मोहन लाल सोनकर सभी निवासी- रामकुण्ड पारा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) खुद वो बहैसियत मु.आम 1. नित्यानंद सोनकर पिता स्व. श्री गंगा राम सोनकर, 2. नरेन्द्र सोनकर पिता स्व. मोहन लाल सोनकर, निवासी रामकुण्ड पारा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.), के हक एवं स्वामित्व की भूमि. जो कि वाके मौजा चिरहुलडीह, प.ह. नं. 36/52, रा.नि.मं. रायपुर-3-कोटा तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.) परिवर्तित भूमि, जिसका खसरा नं. 851/1 का भाग (आठ सौ इक्यावन बटा एक का भाग), रकबा 500 वर्गफुट लगभग भूमि (अक्षरी पाँच सौ वर्गफुट लगभग) जिसे मेरे पक्षकार द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा तय कर ब्याना राशि अदा कर दिया गया है मात्र बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त क्रय-विक्रय के संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म, सोसायटी, बैंक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय, नगर-निगम, वित्तीय संस्था, दोस्त, रिश्तेदार को किसी भी प्रकार से कोई आपत्ति या उजर दावा हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के सात दिवस (07 दिन) के भीतर हमारे नीचे लिखे कार्यालय के पते पर मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। मियाद अवधि गुजरने के पश्चात की गई आपत्ति अवैध एवं शून्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार के द्वारा इकरारशुदा सम्पत्ति का पंजीयन एवं नामांतरण करने हेतु स्वतंत्र रहेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं रहेगा।

सो सूचना जाने।

स्थान रायपुर (छ.ग.) हितेन्द्र कश्यप
दिनाक :- अधिवक्ता
पता-राम जानकी सामुदायिक भवन के पास कुशालपुर रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार धरसींवा-04
मामले की श्रेणीः राजस्व
संदर्भः जिला रायपुर तहसील-धरसीवा
प.ह.न.-00022 मांढर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक
RD202324440719000032
// ईश्तहार //

तहसील धरसीवा के प.ह.न. 00022 के अंतर्गत ग्राम मांढर के वर्तमान भूमिस्वामी अनुपमा आडिल पति कलीराम पिता/पति पता-सा. नेउरडीह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 850/2(0.4040) में प्रस्तावित भूमिस्यामी/क्रेता श्रीमति सीमा रातडे पिता/पति- हरिश रातडे पता-निवासी कुथरौद श्रीमति श्रद्धा घृतलहरे पिता/पति- स्व. प्रमो घृतलहरे पता-निवासी भाठागाँव के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 02/08/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार धरसीवा 04 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/07/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदारः
Jayendra sing
उप तहसील धरसींवा

खबर संक्षेप

गुरुपूर्णिमा महापर्व पर भजन कीर्तन, सामूहिक जाप आज

रायपुर। गुरु और शिष्य के अटूट संबंधों पर आधारित महापर्व गुरु पूर्णिमा रविवार को वीआईपी रोड स्थित आश्रम में उत्साह के साथ मनाया जायेगा। इस मौके पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें रायपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से साधक भाग लेंगे। भजन कीर्तन, सामूहिक जाप पाठ के साथ ही पादुका दर्शन के लिए श्रद्धालु परिवार के साथ शामिल होंगे। गुरु पूर्णिमा के मौके पर राजधानी में विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में वीआईपी रोड स्थित शांति कुटीर में सुबह 8 बजे प्रार्थना, गुरुवंदना व पाठ का आयोजन होगा। सुबह 11:30 बजे से पादुका यात्रा शांति कुटीर से व्यासपीठ तक निकाली जाएगी। पादुका पूजन व मानस पूजन किया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे से अमृतवाणी पर आधारित वीडियो दर्शन सत्संग का आनंद साधक उठा सकेंगे।

वित्तमंत्री निवास कूच करने वाली महिलाओं को पुलिस ने रोका

रायपुर। महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों को लाभ न मिलने के कारण शनिवार को पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाएं जिनको योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है या एक-दो किस्त मिली है, ऐसी महिलाओं के साथ हितग्राहियों की सूची लेकर मंत्री ओपी चौधरी के निवास के लिए गांधी मैदान से निकली महिलाओं को पुलिस ने बलपूर्वक गास मेमोरियल मैदान के पास रोका। एआईसीसी के सचिव, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, भाजपा ने विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में कहा था कि छत्तीसगढ़ की प्रत्येक महिला को महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर महीने 1000 रुपए मिलेगा। सरकार बनते ही लाभार्थियों को जनवरी और फरवरी की किस्त नहीं दी। मार्च से देना प्रारंभ किया गया। चुनावी भाषण में भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व से लेकर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और इनके प्रदेश अध्यक्ष के साथ सभी नेताओं ने 90 विधानसभा में महतारी वंदन योजना को लेकर कहा था कि पांच साल इसका लाभ दिया जाएगा।

यात्री गाड़ियों की लेटलतीफी, सौंपा ज्ञापन

रायपुर। कैट के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष परमानन्द जैन के नेतृत्व में रायपुर रेल मंडल प्रबंधक संजीव कुमार और वाणिज्य अधिकारी अवधेश त्रिवेदी से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने यात्री गाड़ियों की लेटलतीफी एवं निरस्त होने के विषय पर ज्ञापन सौंपा। अमर पारवानी ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से टीम कैट ने रायपुर रेल मंडल प्रबंधक को अवगत कराया कि आजकल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में यात्री गाड़ियों की लेटलतीफी और ट्रेन निरस्त होने के मामले अधिक हो रहे हैं। व्यापारियों को खरीदारी करने अन्य शहरों में जाना पड़ता है, पर रेलगाड़ियां विलंब से चलने और गाड़ियों के निरस्त होने के कारण आम जनता और व्यापारियों को बहुत अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

तबादले के बाद पांच दिनों में छोड़नी होगी कुर्सी, सामान्य प्रशासन ने जारी किया आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तबादले के बाद भी कुर्सी पर जमे रहने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर सरकार ने शिकंजा कसा है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में सभी विभागों के सचिवों को पत्र जारी करते हुए लिखा है कि अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले का आदेश प्राप्त होने के पांच दिन के बाद छठवें दिन कार्यमुक्त माना जाएगा। पांच दिन के भीतर भी पदभार ग्रहण नहीं करने पर अगले दिन से उनकी नियुक्ति नवीन पदस्थापना के स्थान पर मानी जाएगी।

सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अन्बलगन पी. द्वारा जारी आदेश में यह भी उल्लेखित है कि तबादले के बाद विभागीय सचिव भी अधिकारी-कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त का आदेश जारी करें, ताकि वे नए पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण कर सकें। सामान्य प्रशासन को इस संबंध में शिकायत भी मिली थी कि तबादले के बाद कार्यमुक्त करने में विभागीय लेटलतीफी हो रही है। इसका खामियाजा अधिकारी-कर्मचारियों को भुगतना पड़ता है, वहीं कई प्रकरणों में कार्यमुक्त करने के बाद अधिकारी जमे रहते हैं।

इस कारण जारी करना पड़ा आदेश : जारी आदेश में कहा गया है कि प्रशासनिक आवश्यकता और कार्य व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से मंत्रालय के विभिन्न विभागों में पदस्थ अधिकारी और कर्मचारियों की पदस्थापना एक विभाग से दूसरे विभाग में की जाती है। अक्सर यह देखा गया है कि इन अधिकारी-कर्मचारियों की नवीन पदस्थापना किए जाने पर लंबे समय तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया जा रहा है। कार्यभार ग्रहण नहीं करने के कारण वर्तमान में लागू इलेक्ट्रानिक गवर्नेंस व्यवस्था के तहत संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन की अवधि का उल्लेख, ऑनलाइन अवकाश पोर्टल के संचालन आदि में भी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

खास खबर

खास बातें

- तबादले के बाद भी विभागों में जमे रहने वाले अधिकारियों पर शिकंजा
- कई प्रकरणों में कार्यमुक्त के बाद अधिकारियों के जमे रहने की मिली शिकायत

संघ ने भी जताई आपत्ति

छत्तीसगढ़ मंत्रालयीन कर्मचारी संघ ने इस मामले में सामान्य प्रशासन विभाग को चिट्ठी लिखी थी। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव से मिलकर ज्ञापन सौंपा था कि मंत्रालय के विभिन्न विभागों में कई कर्मचारी, अधिकारी लंबे समय से उच्चतर पदों पर पदोन्नति के बाद भी जमे हुए हैं। कुछ का स्थानांतरण अन्य विभागों में होने के बाद भी वह विभागीय सचिवों से कार्य आवश्यकता आदि का लेख करवाकर स्थानांतरण रुकवाने में सफल हो जाते हैं। पदोन्नति के बाद भी कई अधिकारी-कर्मचारी जमे हुए हैं, इस आदेश के बाद बदलाव होगा।

बिजनेस क्लास के टिकट पर इकॉनॉमी की यात्रा, थाई एयरवेज देगा 2 लाख क्षतिपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर।

बिजनेस क्लास के टिकट पर इकानामी श्रेणी की फ्लाइट में यात्रा कराने वाले थाई एयरवेज को दो लाख रुपए मानसिक क्षतिपूर्ति देना होगा। इसके साथ करीब दस साल पहले बुक कराए गए टिकट की राशि ब्याज सहित लौटानी होगी।

जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष डाकेश्वर प्रसाद शर्मा ने यह फैसला सुनाया है। अनुपम नगर में रहने वाले कमल किशोर सारडा ने यह याचिका दायर की थी। याचिका में बताया था कि वर्ष 2014 में उन्होंने युनीग्लोब पवनसुत ट्रैवल्स के माध्यम से हैदराबाद से बैंकाक और बैंकाक से मुंबई के थाई एयरवेज में बिजनेस क्लास का तीन टिकट बुक कराया था। यात्रा के लिए जब वे विमानतल पहुंचे, तो उन्हें बताया गया कि जिस फ्लाइट में उन्हें सफर करना है, उसमें बिजनेस क्लास की सीट नहीं है। इकानामी श्रेणी की तुलना में बिजनेस क्लास में सुविधाएं अधिक होती हैं, इसलिए उसका किराया भी अधिक होता है। सुविधा नहीं दिए जाने के मामले में प्रार्थी ने थाई एयरवेज के प्रतिनिधियों से संपर्क साधकर राशि वापसी की मांग की, मगर उसकी ओर से इस मामले में संतोषपूर्ण जवाब नहीं दिया गया था। इसके बाद प्रार्थी पक्ष ने उपभोक्ता फोरम में याचिका दायर की। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद फोरम ने अपना फैसला सुनाया। थाई एयरवेज को निर्देशित किया गया है कि वह प्रार्थी पक्ष को कुल किराया 16650 रुपए 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटाए। इसके साथ मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में दो लाख रुपए का भुगतान करे।

- ब्याज सहित वापस देना होगा किराया, उपभोक्ता फोरम का फैसला

प्रदेशभर से जुटे विभिन्न सरकारी विभागों के अनियमित कर्मचारी

अनियमित कर्मचारियों ने भरी हुंकार, तूता के धरनास्थल से निकाली ध्यानाकर्षण रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन के आव्हान पर शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अनियमित कर्मचारियों ने नवा रायपुर के तूता स्थित धरनास्थल से ध्यानाकर्षण रैली निकाली। नियमितीकरण, स्थायीकरण और निकाले गए कर्मचारियों की बहाली सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर लामबंद कर्मचारियों ने धरना दिया। धरनास्थल पर घंटों नारेबाजी और प्रदर्शन के दौरान अनियमित कर्मचारियों ने प्रदेशव्यापी प्रदर्शन में अपने हक को लेकर आवाज बुलंद की।

- नियमितीकरण, स्थायीकरण और निकाले गए कर्मचारियों की बहाली सहित 10 सूत्रीय मांगें
- धरनास्थल पर घंटों प्रदर्शन, नारेबाजी भी

प्रदेश के शासकीय कार्यालय में कार्यरत अनियमित कर्मचारियों ने शनिवार को नियमितीकरण, स्थायीकरण, अंशकालीन कर्मचारियों को पूर्णकालिक करने, आउटसोर्सिंग की प्रथा बंद करने सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। नवा रायपुर के तूता स्थित धरनास्थल पर बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन के लिए जुटे कर्मचारियों ने यहां से दोपहर बाद ध्यानाकर्षण रैली निकाली, जिसे रेलवे फाटक के पास पुलिस जवानों ने रोक दिया। आंदोलन कर रहे कर्मचारियों ने स्पॉट पर ही जिला प्रशासन के अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल प्रसाद साहू ने बताया कि ध्यानाकर्षण रैली में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में अनियमित कर्मचारी शामिल हुए। कई विभागों के अनियमित कर्मचारियों को 27 फीसदी वेतनवृद्धि, श्रम सम्मान राशि नहीं दी जा रही है। इससे अनियमित कर्मचारियों में नाराजगी व्याप्त है।

5 घंटे तक धरना-प्रदर्शन

10 सूत्रीय मांगों के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने धरनास्थल पर जुटे अनियमित कर्मचारियों ने प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी कर एकजुटता दिखाई। धरनास्थल पर दूरदराज से पुरुष व महिला कर्मचारियों की आवाजाही के चलते खासी भीड़ देखने को मिली।

प्रमुख मांगें

- सभी सरकारी विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी, कलेक्टर दर, श्रमायुक्त दर, संविदा, समतुल्य मानदेय, जॉब दर पर कार्यरत कर्मचारियों को तत्काल नियमित, स्थायीकरण किया जाए।
- जॉब दर पर कार्यरत कर्मचारियों को मासिक न्यूनतम वेतन पर समायोजित करने की मांग और नियत अवधि के भीतर नियमितीकरण किया जाए।
- विगत वर्षों में निकाले गए, छंटनी किए गए अनियमित कर्मचारियों को पुनः बहाल करने की मांग।
- अंशकालीन कर्मचारियों को पूर्णकालिक किया जाए।
- आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को विभाग में समायोजन करने और एक नियत समय बाद नियमितीकरण करने की मांग।

चौबीस घंटे में 37 मिमी. तक बारिश, फिर भी उमस से राहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में पिछले चौबीस घंटे में 37 मिमी. तक बारिश हुई, मगर यह बढ़ती उमस को कम नहीं कर पाई। भारी बारिश का कारण बनने वाले सिस्टम की दिशा बदल रही है, जिसकी वजह से प्रदेश में व्यापक और भारी वर्षा के लिए इंतजार करना होगा।

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश के कई इलाकों में एक साथ बारिश की स्थिति अभी बनने की संभावना नजर नहीं आ रही है। एक अवदाब जो अभी ओडिशा के चिल्का झील के पास मौजूद है, उसकी दिशा में परिवर्तन होने की संभावना बन रही है। राज्य में कुछ स्थानों पर भारी और कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना अभी बनी रहेगी। शुक्र-शनि की दरम्यानी रात राजधानी में काफी देर तक बारिश हुई। इसके बाद सुबह छाए बादल शाम होने के बाद ही एक बार फिर अपना असर दिखा पाए। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में रायपुर में 37 मिमी. बारिश हुई है। अभी यहां जिस तरह उमस भरी बेचैनी गर्मी महसूस हो रही है, उससे राहत मिलने की संभावना नजर नहीं आ रही है। रविवार को भी अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे में बारिश का जोरदार असर बस्तर इलाके में ही नजर आया है। वहां सर्वाधिक 25 सेमी. वर्षा भैरमगढ़, 17 सेमी. दुर्गुकोंदल, भानुप्रतापपुर तथा कोंटा, सुकमा दोरनापाल में 15 सेमी. तक बारिश हुई है।

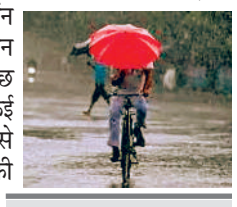

- सिस्टम की दिशा बदल रही, भारी वर्षा का करना होगा इंतजार

शातिर चोर को पकड़ने आरपीएफ सिविल ड्रेस में करेगी काम, स्टेशन में स्पेशल टीम चलाएगी अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बढ़ते मोबाइल चोरी के मामलों के बीच अब आरपीएफ विशेष अभियान चलाने की तैयारी में है। रेल मंडल में आरपीएफ के नए कमांडेंट रमन कुमार ने बीते दिनों पदभार ग्रहण के बाद अब शातिर चोरों को पकड़ने के लिए रणनीति बनाई है। स्टेशन व ट्रेन से हर सप्ताह मोबाइल चोरी को लेकर शिकायत यात्रियों से मिल रही है। आमतौर पर चोरी यात्रियों के लापरवाही के कारण होती है, लेकिन कई मामलों में देखा गया है कि चोर शातिर तरीके से यात्रियों का मोबाइल पल झपकते ही गायब कर देते हैं। विशेष अभियान में आरपीएफ सिविल ड्रेस में कार्य करते स्टेशन पर लोगों पर निगरानी रखेगी। यह अभियान किसी भी समय शुरू कर सकता है। आरपीएफ का कहना है कि अब चोरों को उनके ही अंदाज में पकड़ेंगे। हमारा लक्ष्य सामान्य से लेकर बड़े चोरों को पकड़ने का है, जो लगातार स्टेशन और ट्रेन में यात्रियों का फोन चोरी कर रहे हैं। बता दें कि रेल मंडल में हर साल चोरी के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

अलग खबर

- यात्रियों के सामान और मोबाइल चोरों को पकड़ने जल्द शुरू होगा अभियान

बेवजह चेन पुलिंग कर बचना अब मुश्किल

आरपीएफ अमला इन दिनों ट्रेनों की बेवजह चेन पुलिंग कम करने में जुटा हुआ है। कमांडेंट का कहना है कि अब बेवजह चेन पुलिंग करने के बाद आरपीएफ से बच पाना बेहद मुश्किल है। लगातार अभियान चलाकर बेवजह चेन पुलिंग के मामलों को कम किया जा रहा है। सप्ताहभर में 40 से अधिक ऐसे लोगों पर कार्रवाई हुई है, जिन्होंने अपने परिजन के इंतजार में चेन पुलिंग की थी। अभियान में इस बात का विशेष ध्यान रख रहे हैं कि ट्रेन अपने निर्धारित समय से छूटे।

चोरों को पकड़ने अभियान

बेवजह चेन पुलिंग के साथ चोरों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। स्टेशन में जवानों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। अभियान के जरिए शातिर चोरों को पकड़ा जाएगा।

- **रमन कुमार,** कमांडेंट आरपीएफ, रेल मंडल

बिजनेस साइट

अवधपुरी मैदान में 'डिज्नीलैंड मेला' छोटे-बड़े सभी को लुभा रहा, राम मंदिर का गेट आकर्षण का केंद्र

रायपुर। गुढ़ियारी श्रीनगर के अवधपुरी मैदान में आयोजित 'डिज्नीलैंड मेले' का मुख्य उद्देश्य बच्चों और बड़ों के लिए एक साथ एक अद्वितीय मनोरंजन अनुभव प्रदान करना है। यह मेला अपने विविध आकर्षक झूलों के लिए जाना जाता है, जहां बच्चे व बड़े पूरा आनंद ले रहे हैं। डिज्नीलैंड मेले के संचालक ने बताया कि रंगबिरंगे झूलों के अलावा इसमें बच्चों के फन जोन का भी विशेष ध्यान रखा गया है। मेले में बना श्रीराम मंदिर का भव्य गेट आकर्षण का केंद्र है। चूंकि डिज्नीलैंड मेला राजधानीवासियों को काफी पसंद आता है, इसीलिए आयोजन में लोग ब्रेक डांस झूला, कोलंबस झूला, जाइंट व्हील, सिलंबो झूला, डेशिंग कार और ड्रैगन झूला समेत एरोप्लेन, मिनी ट्रेन, कार झूला, मिकी माउस आदि का आनंद ले रहे हैं। इस बार झूले में दो नए आइटम्स सुनामी और जायंट फ्रिस्बी जोड़े गए हैं। यहां क्रॉफ्ट बाजार भी है, जिसमें देशभर के बुनकरों के हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, लाइफ स्टाइल, होम डेकोर, फर्नीचर व एसेसरीज की विशाल श्रृंखला उपलब्ध है। इसके अलावा कश्मीरी साड़ी, कोलकाता साड़ी, कोसा सिल्क, बम्बू सिल्क, बनारसी सिल्क आदि मुख्य आकर्षण है।

आरती ग्रुप का 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम आज

रायपुर। रीयल एस्टेट की अग्रणी कंपनी आरती ग्रुप द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' पौधारोपण कार्यक्रम आज अशोका पॉम मेडोज पुराने धमतरी रोड डूंडा में रखा गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल, प्रधान संपादक हरिभूमि-आईएनएच न्यूज डॉ हिमांशु द्विवेदी एवं विधायक मोतीलाल साहू उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरती ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर व पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रायपुर राजीव अग्रवाल करेंगे। कार्यक्रम में विशेष रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता छगनलाल मुंदड़ा, आरती ग्रुप के डायरेक्टर राजेश अटलानी, सरल मोदी, तरल मोदी, राजीव मुंदड़ा, ऋभुराज अग्रवाल, आदित्य मुदंड़ा, क्षितिज मोदी, अमन अटलानी भी उपस्थित रहेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा में सीएसआर गतिविधियों का आयोजन

रायपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने 117वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भरत कुमार चावड़ा, डॉ. रमेश कुमार मोहंती और किसलय प्रसाद के निर्देशन में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत सीएसआर गतिविधियों का आयोजन किया। सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत कार्यपालकों द्वारा एम्स हॉस्पिटल में व्हीलचेयर प्रदान की गई हैं। क्षेत्र की शाखाओं में भी वृहद स्तर पर विभिन्न सीएसआर गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदीप कुमार यादव, अशीम घोष, हेमंत ठाकुर, बलजीत सिंह उपस्थित थे।

हर्षित आईकॉन सिटी में पौधारोपण

रायपुर। सिंघानिया बिल्डकॉन ग्रुप के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हर्षित आईकॉन सिटी, ओरेठी सिमगा में वृहद पैमाने पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर सिंघानिया ग्रुप के समस्त परिवार उपस्थित रहे। इस दौरान सिंघानिया बिल्डकॉन के सीएमडी सुबोध सिंघानिया ने कहा कि पौधारोपण करना सरल है, लेकिन उन्हें बड़ा करना कठिन। पौधारोपण करने वाले सभी प्रतिभागियों से आग्रह है कि उनके द्वारा लगाए गए पौधों का अपने बेटे की तरह पालन करें।

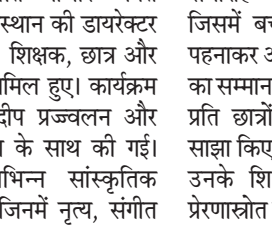

अमर गोल्फ ग्रीन्स में शिव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, क्लब हाउस का उद्घाटन

रायपुर। एएस हाउसिंग कंपनी एवं अष्टविनायक रियलिटीज के सेजबहार स्थित प्रोजेक्ट गोल्फ ग्रीन्स-1 में शिव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा एवं क्लब हाउस का उद्घाटन हुआ। अष्टविनायक रियलिटीज के डायरेक्टर संतोष लोहाना ने बताया कि यह प्रोजेक्ट शहर के पुराना धमतरी रोड सेजबहार में स्थित है। यह क्षेत्र बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। इस प्रोजेक्ट में हरियाली का विशेष ध्यान रखा गया है। गोल्फ ग्रीन्स-1 में करीब 100 परिवार खुशहाली से प्राकृतिक वातावरण में रह रहे हैं।

कलिंगा विवि में एनएसएस ने चलाया पौधारोपण अभियान

रायपुर। उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत कलिंगा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने ग्रीन आर्मी और लायंस क्लब रायपुर फ्रेंड्स के सहयोग से शनिवार सुबह नवा रायपुर स्थित कलिंगा विश्वविद्यालय के खेल परिसर मैदान में पौधारोपण किया। इस अभियान के दौरान 200 से अधिक पौधे लगाए गए। इस दौरान गणमान्य व्यक्तियों द्वारा बड़ी संख्या में पौधे रोपे गए। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण को हरा-भरा बनाना है। इस अवसर पर कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी, डॉ. स्मिता प्रेमानंद, डॉ. डी. कालीदोस एवं डॉ. संजीव कुमार यादव उपस्थित थे।

संदिग्ध परिस्थिति में मिली लाश, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र में शनिवार को डब्लूआरएस कालोनी के रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में लाश मिली है। शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। पुलिस चोट के निशान को रेल से गिरने पर जो चोट लगती है, उसका निशान होने की बात कह रही है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मौके पर मृतक के मोबाइल फोन, पर्स तथा मालवाहक वाहन नहीं मिलने की वजह से परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

पुलिस के मुताबिक रेलवे ट्रैक पर दलदल सिवनी निवासी रमजान खान की लाश मिली है। मृतक की लाश का पोस्टमार्टम कर पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के अनुसार रमजान मालवाहक वाहन मिनी डोर चलाने का काम करता था। मृतक की आखिरी बार अपने परिजनों से गुरुवार शाम को बात हुई है। उसके बाद से उसका परिजनों से संपर्क नहीं हो पाया।

रमजान की आखिरी बार अपने परिजनों से किस लोकेशन पर बात हुई है। पुलिस इसकी जानकारी जुटाने की बात कह रही है। पुलिस को आशंका है कि रमजान अपने मिनी डोर को किसी जगह पार्क किया होगा। इसके बाद वह ट्रेन के गेट के पास कहीं बैठकर जा रहा होगा। झपकी आने पर चलती ट्रेन से गिरकर उसकी मौत हुई होगी।

- तीन दिन पूर्व परिजनों से आखिरी बार बात हुई थी

मिनीडोर छोड़ कहां गया होगा

रमजान मिनी डोर छोड़ आखिर कहां गया होगा, परिजनों से बात करने पर मृतक ने अपने परिजनों को ट्रेन से कहीं जाने की जानकारी नहीं दी थी। ट्रेन से गिरने के बाद रमजान का मोबाइल तथा पर्स गायब होना कई संदेहों को जन्म देता है। मृतक का मोबाइल मिलने के बाद मौत की वजहों के कारणों का खुलासा हो सकता है, रमजान ने अपने परिजनों के अलावा और किन लोगों से बात की थी। मृतक का कॉल डिटेल निकालने के बाद इसकी जानकारी मिल पाएगी।

पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में गुरुपूर्णिमा पर आयोजन

रायपुर। भाठागांव स्थित पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में शनिवार को गुरुपूर्णिमा पर्व मनाया गया। इस आयोजन में बच्चों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसमें संस्थान की डायरेक्टर कविता कुंभज, शिक्षक, छात्र और अभिभावक शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ की गई। छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नृत्य, संगीत शामिल रहे। इन प्रस्तुतियों ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया और छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

इसके बाद शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने फूलों की माला पहनाकर और उपहार देकर शिक्षकों का सम्मान किया। प्रत्येक शिक्षक के प्रति छात्रों ने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उनके शिक्षक उनके जीवन में प्रेरणास्रोत बने हैं।

हरिभूमि पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

सरकार स्पष्ट करे, राजस्थान को उत्खनन की अनुमति दी है या नहीं

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय हसदेव अरण्य में खनन की अनुमति देने के बाद अनुमति से इनकार कर प्रदेश के लोगों को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा सरकार की अनुमति से इनकार के झूठ का पर्दाफाश राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनन अनुमति के लिए विष्णु देव साय को धन्यवाद से हो जाता है, जो उन्होंने सोशल मीडिया में दिया है। भाजपा विपक्ष में हसदेव अरण्य में खनन और जंगलों की कटाई के खिलाफ आंदोलन करती थी। कांग्रेस सरकार ने हसदेव अरण्य में खनन अनुमति को निरस्त किया था। विधानसभा में हसदेव अरण्य खनन रोकने प्रस्ताव भी पास किया था।

हरिभूमि
रायपुर, रविवार 21 जुलाई 2024
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

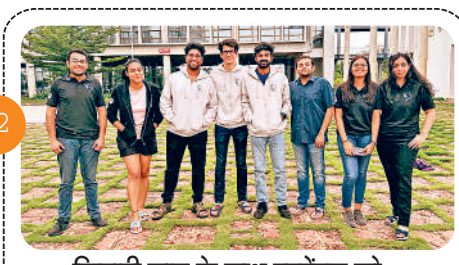

किताबी ज्ञान के साथ स्टूडेंट्स को...

एजूकेशन अपडेट

अब श्रमिकों के बच्चे भी बनेंगे अफसर, मिलेगी निशुल्क कोचिंग

रायपुर। श्रमिकों के बच्चों के लिए प्रदेश के 5 जिलों में निशुल्क कोचिंग सहायता योजना शुरू हो चुकी है। इस योजना के तहत पीएससी, व्यापम, बैंकिंग प्रतियोगी परीक्षा के लिए निशुल्क कोचिंग की सुविधा श्रमिकों के बच्चों को मिलेगी। प्रदेश के रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी समेत 5 जिलों में कक्षाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। इन सभी जिलों में 50-50 सीटें निर्धारित हैं। साथ ही शेष जिलों कोरबा, महासमुंद, अंबिकापुर, जगदलपुर, जशपुर में प्रवेश और काउंसिलिंग की प्रक्रिया चल रही है। श्रमिक परिवार के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर सुविधाओं की जरूरत है। इसी तारतम्य में पंजीकृत श्रमिक व पंजीकृत श्रमिक के संतानों को शैक्षणिक योग्यतानुसार लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, कर्मचारी चयन आयोग, बैंकिंग, रेलवे, पुलिस भर्ती एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए 4 से 10 माह तक निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक एवं पात्र हितग्राही स्वयं, च्वाइस सेंटर या श्रम कार्यालय के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

पंजीकृत श्रमिक की मृत्यु होने पर भी मिलेगी सुविधा

यदि हितग्राही की मृत्यु 9 जून 2020 से पहले हुई है तो पुरानी अधिसूचना के अनुसार योजना के लिए उनके बच्चे पात्र हैं तथा वे हितग्राही, जो नवीन योजना मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से जुड़े हुए हैं, वे भी आवेदन कर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह कोचिंग ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन भी मिलेगी, ताकि विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को दोनों का विकल्प मिल सके। बहुत से छात्र समय या फिर दूरी की वजह से ऑफलाइन ही कोचिंग लेना चाहते हैं, उनको ये सुविधा मिलेगी।

सिटी इवेंट

'पर्यावरण प्रेमी' ने 14 महीने में लगाए 300 से अधिक पौधे, सालभर देखरेख से सभी जीवित

रायपुर। देवपुरी स्कूल के प्रांगण में शनिवार को पर्यावरण प्रेमी संगठन और प्राइमरी मिडिल स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राकेश पांडे ज्वाइंट डायरेक्टर शिक्षा विभाग और ग्रीन आर्मी की फाउंडर हरदीप कौर सहित अन्य लोगों द्वारा पौधे रोपे गए। परिसर को मिलाकर अब तक इस स्कूल प्रांगण में लगभग 300 पौधे लगाए जा चुके हैं। पर्यावरण प्रेमी ने इस स्कूल में 331 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है ।स्कूल की शिक्षिका अनामिका और मंजूषा द्वारा बच्चों को अपने जन्मदिन पर नेवता भोजन कराया गया। पौधारोपण के बाद शाला विकास समिति के पदाधिकारी, सदस्य, पर्यावरण प्रेमी संगठन के पदाधिकारी व सदस्य तथा शिक्षकों को ज्वाइंट डायरेक्टर श्री पांडे ने संबोधित किया।

बच्चों को सर्पदंश से बचने के बताए उपाय

श्री पांडे ने पंचतत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षक ही इन पांच तत्वों का जीवन में क्या महत्व है, यह बच्चों को समझाते हैं। पर्यावरण प्रेमी संगठन द्वारा स्कूल परिसर में किए जा रहे कार्यों की उन्होंने मुक्त कंठ से सराहना की। विद्यार्थियों को सर्पदंश से बचने के उपायों की जानकारी दी गई। अतिथि का स्वागत मिडिल स्कूल के प्राचार्य एमएल साहू, प्राइमरी स्कूल के प्रधान पाठिका सविता शिंदे, पर्यावरण प्रेमी संगठन की ओर से विद्याभूषण दुबे, आरडी दहिया, वेदव्यास मिश्रा, आरआर वैष्णव, शाला विकास समिति के पदाधिकारी चंपालाल देवांगन, डॉ. साहू, मधु साहू, रिचा देवांगन आदि उपस्थित रहे।

नालंदा परिसर में मां के नाम लगाए 30 पौधे

रायपुर। मां के नाम पर दिगंबर जैन आदिश्वर महिला मंडल की महिलाओं ने शनिवार को नालंदा परिसर में छायादार पौधों का रोपण किया। मंडल की अध्यक्ष वर्षा जैन ने कहा कि प्रतिवर्ष पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है, जिसे कम करने के लिए हमें लगातार पौधें लगाने होंगे। इस कार्य से ही हम सभी प्राकृतिक आपदाओं से बच सकते हैं। इस अवसर पर आम, आंवला, नीम, गुड़हल, अमरूद, बेल सहित 30 से अधिक पौधे रोपे गए। प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान पर मंडल की शोभा जैन व पीसी जैन ने अपनी-अपनी माता के नाम पर आम के पौधे लगाए। कार्यक्रम में सदस्यों द्वारा पर्यावरण व वृक्षारोपण से जुड़े गीत, कविताओं की भी प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर श्रद्धा जैन, वंदना जैन, अंजलि जैन, डॉली जैन, मंजुला जैन, प्रभा जैन, अमिता जैन, अदिति जैन, रोली जैन, उषा जैन, मीना जैन, सुनीता जैन, प्रतिभा जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

तस्मै श्री गुरुवे नमः खेल में कॅरियर बनाने बहा रहे पसीना, ताकि शिष्य जीतें मेडल

ज्ञान का दान... गुरुओं पर अभिमान

रायपुर। वैसे तो दुनिया में हर किसी से कुछ न कुछ जानने व सीखने को मिलता है। ऐसे लोग भी गुरु की श्रेणी में आते हैं, लेकिन ऐसे गुरु आज के दौर में कम ही मिलते हैं, जो अपने शिष्य की बेहतरी के लिए ही नहीं, खुद से अच्छे मुकाम पर अपने शिष्य को देखने की चाहत भी रखते हैं। इस तरह के गुरु शहर समेत सुदूर ग्रामीण अंचल में भी सैकड़ों होंगे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हम ऐसे दो गुरुओं के बारे में बात करने वाले हैं, जिन्होंने शिष्य को अक्षरज्ञान कराने से लेकर खेल के मैदान में परचम लहराते हुए शिष्य को देखने के लिए लालायित हैं। जी हां, ऐसे ही गुरु है समता कॉलोनी में रहने वाले लालबहादुर सोनकर, जिन्होंने रग्बी फुटबॉल व टेनिस क्वाइट जैसी विधा में भले ही खुद ब्रांज पदक ही जीता, मगर अपने शिष्यों को तराशते हुए इस काबिल बनाया कि वे स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक जीत सकें।

शिष्य को जीतते देख मिलती है खुशी

सोनकर गुरुजी वैसे तो धरसींवा के परसतराई हायर सेकेंडरी स्कूल में बतौर व्यायाम शिक्षक सेवा दे रहे हैं। साथ ही वे अपने शौक को जिंदा रखने के लिए शिष्यों को अभ्यास कराने के लिए खुद पसीना बहाते हैं। उन्होंने बताया कि 22 साल पहले मै रग्बी फुटबाल और टेनिस क्वाइट का नेशनल खिलाड़ी रहा। प्रदेश का मान बढ़ाने के लिए लखनऊ, दिल्ली व वाराणसी में नेशनल भी खेला। अभी तक मेरे सिखाए हुए विद्यार्थी दोनों ही विधा में 40 से ज्यादा का चयन ओपन व स्कूल नेशनल में हुआ। इनमें से 29 ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर प्रदेश के साथ मेरा व स्कूल का भी मान बढ़ाया। शिष्य को बेहतर मुकाम हासिल करते देखकर आत्मीय खुशी मिलती है।

> गुरु को दुनिया में इसलिए पूजा जाता है, क्योंकि वे अपने शिष्य को खुद से भी बेहतर मुकाम पर देखने की चाहत रखते हैं। इसके लिए वे पढ़ाते ही नहीं, बल्कि अक्षरज्ञान कराने के लिए अपने वेतन का अंश भी खर्च करने से गुरेज नहीं करते। इसके पीछे उनकी मंशा होती है कि शिष्य हर क्षेत्र में अव्वल रहे और उनका नाम रोशन करें। गुरु पूर्णिमा पर हम ऐसे ही गुरुओं के बारे में बात कर रहे हैं। ऐसे गुरुओं के त्याग व परिश्रम से उनके शिष्य हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे व खेल में भी स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक जीत रहे हैं।

कंचा, लुका-छिपी खेलते हुए भी पढ़ रहे

प्रधान गुरुजी बताते हैं कि हर साल 10 से 15 हजार रुपए अपने वेतन का खर्च करके स्कूल व गांव में, जहां बच्चे कंचा व लुका-छिपी खेलते हैं, वहां अक्षर उकेरने का काम करता हूं। पेंटर से लिखवाने पर खर्च ज्यादा होता है, इसलिए खुद रंग-पेंट लाने के बाद उसकी मदद से पेंटिंग करता हूं। इससे बच्चे जो स्कूल में पढ़कर आते हैं, उन्हीं अक्षरों को वॉल पेंटिंग में देखकर एक बार पढ़ने का प्रयास भी करते हैं। इससे उनको अक्षरज्ञान होता है, साथ ही वे अपने साथियों को भी वॉल पेंटिंग दिखाते हैं व उन्हें सिखाने का प्रयास करते हैं। गांव के लोगों से जब उनके प्रयास के बारे में जानने और सुनने को मिलता है तो दिल से खुशी मिलती है कि मेरा प्रयास सार्थक हुआ।

...ताकि खेलते हुए भी मिले अक्षरज्ञान

कुछ इसी तरह का जुनून नवागढ़ के जगमहन गांव में पढ़ाने वाले गुरुजी विजय कुमार प्रधान में भी है। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को खेलते समय भी अक्षरज्ञान हो, इसके लिए वे नवाचार करते हुए गांव में ऐसे स्थानों पर हर साल वॉल पेंटिंग के जरिए अ, आ, इ, ई ही नहीं, ए, बी,सी,डी और गिनती सिखाने के लिए स्कूल समेत गांव के सार्वजनिक स्थानों पर, जहां बच्चे खेलते हैं, वहां वॉल पेंटिंग कराते हैं। उनसे जब बात की गई तो उन्होंने हर साल दिवाली के मौके पर लोग घर की पोताई कराते हैं। तब लोगों से बात करते हुए उनके घर की बाहरी दीवार पर कार्टून कैरेक्टर छोटा भीम पर अक्षर उकेरने की मुहिम तीन साल से चला रहा हूं, ताकि बच्चे खेलते हुए सीखें।

बच्चों ने गुरु-शिष्य की परंपरा को किया जीवंत

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर स्कूल, एसडीवी में शनिवार को गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों को पुरातन काल से चली आ रही गुरु-शिष्य परंपरा के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही आज के परिप्रेक्ष्य में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका विनीता सुंदरानी व रेणुका शुक्ला ने किया। संगीत शिक्षक अक्षय कुमार ने गुरु वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अस्मिता कुसरे ने नृत्य प्रस्तुत किया। सुदेवी विश्वास, अस्मिता कुसरे ने गुरु की स्तुति, अनिता, प्रीति, श्वेता सभी शिक्षकों ने हॉल का डेकोरेशन किया। साथ ही सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने संगीत, भाषण, गीत की भी प्रस्तुति दी।

महाराष्ट्र मंडल के स्कूल में धूमधाम से मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

पुरातनकाल के गुरुओं की सुनाई कहानी

शिक्षिकाओं ने बच्चों को बताया कि सदैव अपने माता-पिता, बुजुर्ग, घर के बड़ों एवं सभी गुरुजनों का सम्मान करना चाहिए। उनके बताए मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए। कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के बच्चों को सप्तऋषि की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने महर्षि वेदव्यास, द्रोणाचार्य, संत ज्ञानेश्वर महाराज, तुलसीदास, गुरुनानक साहेब, संत कबीरदास, रहीम खानाखान, ऋषि दधीचि आदि का रूप धारण कर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने बच्चों को सनातन संस्कृति की इस परंपरा के बारे में बताते हुए कहा कि आज भी गुरुओं का जीवन में उतना ही महत्व है, जितना पुरातनकाल में हुआ करता था। आज आधुनिकीकरण जरूर हुआ है, लेकिन सही ज्ञान का आधार तो गुरु ही है। उपप्राचार्य राहुल वोडितेलवार ने बच्चों को निरंतर सीखने की इच्छा रखने की बात कही। अपर्णा आठले ने आभार व्यक्त किया।

गांव के व्यक्तियों को रोजगार का अवसर

चांपा निवासी चूड़ामणि सूर्यवंशी पैरा एवं बांस आर्ट के प्रशिक्षक हैं, जो बीते कई वर्षों से पारंपरिक आर्ट का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रत्येक वर्ष गांव के स्कूली एवं कॉलेज के छात्रों को निशुल्क प्रशिक्षण देते हैं। श्री सूर्यवंशी ने बताया, विद्यार्थी जीवन से ही आर्ट में रुचि रही है। गांव में संचालित छग हस्त विकास बोर्ड ट्रेनिंग कैंप के माध्यम से बांस एवं पैरा आर्ट की शिक्षा ली। वर्तमान समय में विद्यार्थियों को धान की राखी बनाने की कला सिखाई जा रही है, जिसकी बिक्री होने के बाद सहायता करने वाले छात्रों को राशि भी दी जाती है। मेरे द्वारा प्रशिक्षण लेकर कई विद्यार्थियों ने बांस एवं पैरा आर्ट को अपनी आय का साधन बनाया है, इसमें एक आर्ट की कीमत 2 हजार रुपए से शुरू होती है।

योग बना आय का साधन

डॉ. छगनलाल सोनवानी एक योगगुरु हैं, जो बीते 1997 से निशुल्क लोगों को योग प्रशिक्षण दे रहे हैं। श्री सोनवानी ने बताया, साल 1995 से भोपाल से योग प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद योगगुरु ने गुरुदक्षिणा में वजन मांगा, जिसका पालन में बीते कई वर्षों से करता आ रहा। योगगुरु ने निशुल्क लोगों को योग शिक्षा देने की बात कही थी, अब तक लगभग शहर के अनेक स्कूल, कॉलेज, संस्था व अन्य स्थानों में निशुल्क एक हजार से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्तमान समय में मेरे द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यार्थी योग प्रशिक्षक भी बन गए हैं, जो उनके आय का साधन बन चुका है।

बचपन से आध्यात्मिक कार्यों में रुचि

बचपन से ही अध्यात्म में रुचि रही, जिसके पश्चात साल 1976 से गुरु आचार्य श्रीराम शर्मा से दीक्षा प्राप्त कर गुरु के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। गुरु आचार्य शिक्षा, स्वास्थ्य, नारी जागरण, नशा निवारण एवं पर्यावरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते हैं। जो मेरे प्रेरणास्रोत बने रहे। प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु आचार्य श्रीराम शर्मा की सेवा के लिए शहर स्थित समता कॉलोनी परिसर में परिजनों के साथ शामिल होने का अवसर मिलता है। - श्याम बैस

दीक्षा के बाद रोजाना गायत्री पाठ

गुरु श्रीराम शर्मा से साल 1972 में दीक्षा प्राप्त की। गायत्री परिवार द्वारा आयोजित यज्ञ के दौरान गुरु की वाणी से प्रभावित होकर दीक्षा लेने का विचार आया। दीक्षा प्राप्ति के पश्चात रोजाना गुरु की सेवा के लिए परिसर में आकर गायत्री पाठ करता हूं। वहीं प्रत्येक गुरु पूर्णिमा के अवसर गुरु के दर्शन के लिए परिसर में शामिल होता हूं।

- सदाशिव हथमल, उम्र 89 वर्ष

गुरु पूर्णिमा पर प्रत्येक वर्ष जाते हैं गुरु के धाम

कबीरपंथ के 15वें वंशाचार्य के रूप में गुरु प्रकाशमुनि नाम साहिब हैं। परिवार में लगभग तीन पीढ़ियों से कबीरपंथ को अपनाया गया है। कबीर साहिब की वाणी, विचार, दोहे व उद्देश्य से प्रभावित होकर गुरु बनाया, जिसके चलते प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रकाश मुनि नाम साहब के दर्शन के लिए दामाखेड़ा गांव जाते हैं।

- प्रशांत शर्मा

गुरु दर्शन के लिए पुरी धाम की यात्रा

गोवर्धन मठपुरी पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज से दीक्षा प्राप्त की। बीते 30 वर्षों से लगातार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पुरी जाकर स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज के दर्शन व गुरु पूजन करता आ रहा हूं। परिवार की प्रत्येक पीढ़ी शंकराचार्य गुरु के साथ जुड़ी हुई है।

- आचार्य पं. झम्मन शास्त्री

महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय आकार-2024 का आगाज

मधुबनी आर्ट सिखाता है संयम, सूपा में आदिवासी संस्कृति का दिखा रंग, आज से पखवाड़ेभर शिल्प-कला का प्रशिक्षण

कार्नर न्यूज

रायपुर। प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में यह आयोजन किया जा रहा है, जहां प्रदेश के विभिन्न राज्यों से कला गुरुओं द्वारा विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुओं के सम्मान समारोह के साथ हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम के डायरेक्टर विनय आचार्य व उपसंचालक डॉ. तनूजा बघेल और युगल तिवारी उपस्थित रहे। डायरेक्टर श्री आचार्य ने अपने संबोधन में कहा, प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा के साथ अन्य कलाओं के साथ भी जोड़ें। जो बच्चा कक्षा में प्रथम आता हो, केवल वही तरक्की नहीं करता। मल्टी टैलेंटेड बच्चों में अनेक गुण होते हैं, उनके टैलेंट का सम्मान करें और उन्हें प्रोत्साहित करें। शिविर रोजाना शाम को 4 बजे से 7 बजे तक होगा। आयोजन के अंतिम दिन 'संझा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नृत्य प्रतिभागियों को प्रदर्शन के लिए मंच पर मौका दिया जाएगा, साथ ही किन्नर समाज के सदस्यों को विभिन्न कलाओं के प्रदर्शन के लिए भी अवसर दिया जाएगा।

मधुबनी आर्ट सीखना संयम का काम

कलागुरु जयश्री भगवानानी ने बताया, प्रशिक्षण शिविर के दौरान विद्यार्थियों को मधुबनी आर्ट सिखाया जाएगा। यह आर्ट प्रभु श्रीराम के विवाह के दौरान दीवारों पर बनाया गया था। आर्ट की शुरुआत कागज के ऊपर गोबर का लेप लगाने के बाद की जाती है। इसके ऊपर ही मधुबनी आर्ट तैयार किया जाता है। एक पेंटिंग तैयार करने में सप्ताहभर का वक्त लगता है, जिसे संयम के साथ ही बच्चे सीख सकते हैं।

ये कलागुरु सिखाएंगे हुनर

- चित्रकला, गोदना आर्ट - राकेश पुजारी
- मधुबनी आर्ट, पटचित्र- जयश्री भगवानानी
- बस्तर आर्ट, ग्लास पेंटिंग- अनुपम सिंह
- जूट ज्वेलरी, शिल्प-कला, वुडन ट्राइबल आर्ट- डॉ. शुभा मिश्रा
- लप्पन आर्ट, मंडाला आर्ट- प्रज्ञा बिंदल
- स्केचिंग, कैनवास पेंटिंग- डॉली बदलानी
- क्ले आर्ट- दिशा अग्रवाल
- मरथरी, करमा नृत्य- रेखा जलक्षत्री
- बस्तर नृत्य- उमेश निर्मलकर
- म्यूरल आर्ट, पेपरमेसी- कविता राठौर
- पैरा आर्ट, बांस आर्ट- चूड़ामणि सूर्यवंशी

सूपा में आदिवासी संस्कृति की झलक

परिसर में उपस्थित कलागुरु डॉ. शुभा मिश्रा ने बताया, शिविर के दौरान छत्तीसगढ़ी आभूषण बनाने की कला प्रतिभागियों को सिखाई जाएगी, जिसमें छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वस्तुओं के प्रयोग से ज्वेलरी व सजावटी सामान बनाना सिखाया जाएगा। इसे जूट, लकड़ी, मोती, सूपा, ट्राइबल पेंटिंग जैसी कई सामग्री के प्रयोग से तैयार किया जाएगा।

नालंदा परिसर में मां के नाम लगाए 30 पौधे

रायपुर। मां के नाम पर दिगंबर जैन आदिश्वर महिला मंडल की महिलाओं ने शनिवार को नालंदा परिसर में छायादार पौधों का रोपण किया। मंडल की अध्यक्ष वर्षा जैन ने कहा कि प्रतिवर्ष पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है, जिसे कम करने के लिए हमें लगातार पौधें लगाने होंगे। इस कार्य से ही हम सभी प्राकृतिक आपदाओं से बच सकते हैं। इस अवसर पर आम, आंवला, नीम, गुड़हल, अमरूद, बेल सहित 30 से अधिक पौधे रोपे गए। प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान पर मंडल की शोभा जैन व पीसी जैन ने अपनी-अपनी माता के नाम पर आम के पौधे लगाए। कार्यक्रम में सदस्यों द्वारा पर्यावरण व वृक्षारोपण से जुड़े गीत, कविताओं की भी प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर श्रद्धा जैन, वंदना जैन, अंजलि जैन, डॉली जैन, मंजुला जैन, प्रभा जैन, अमिता जैन, अदिति जैन, रोली जैन, उषा जैन, मीना जैन, सुनीता जैन, प्रतिभा जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

सिटी लाइव

कटक में शहर के छात्रों ने दिखाई संगीत प्रतिभा, शीर्ष स्थानों पर मारी बाजी

रायपुर। कटक में आयोजित श्रावण उत्सव अंतर्राष्ट्रीय नृत्य एवं संगीत समारोह में शहर के भवन्स स्कूल के छात्रों ने नाम रोशन किया। यह उत्सव उत्कल युवा सांस्कृतिक संघ, कटक द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। भवन के छात्रों ने विभिन्न शैलियों और श्रेणियों में गायन में भाग लिया। कु. मौली शाह कक्षा 7 ने क्षेत्रीय संगीत में प्रथम स्थान और अर्ध-शास्त्रीय संगीत में दूसरा स्थान हासिल किया। मास्टर विहान भंडारी कक्षा 6 ने क्षेत्रीय संगीत में पहला और शास्त्रीय और अर्ध-शास्त्रीय संगीत में दूसरा स्थान हासिल किया। मास्टर एकांश बाकलीवाल कक्षा 4 ने अर्ध-शास्त्रीय और क्षेत्रीय संगीत में प्रथम स्थान हासिल किया। कु. आरोही भगेरिया कक्षा 4 ने अर्ध-शास्त्रीय और क्षेत्रीय संगीत में दूसरा स्थान हासिल किया। युगल गायन वर्ग में मास्टर एकांश और कु. आरोही ने शास्त्रीय संगीत में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

संगीत की विभिन्न विधाओं में दी प्रस्तुति

कार्यक्रम में छात्रों ने संगीत की विभिन्न विधाओं में प्रस्तुति देकर सभी को प्रभावित कर दिया। कार्यक्रम में समूह गायन वर्ग में शास्त्रीय संगीत में विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों में मौली शाह, श्रेया पारखी, शांभवी तिवारी, ऐशानी बिसेन, ख्याति केशवानी सभी कक्षा 7वीं से थीं। प्रतिभागियों का मार्गदर्शन और उनके साथ स्कूल के संगीत संकाय की सुश्री संगीता डे हारमोनियम और देबूलाल बारात तबला थे। प्राचार्य अमिताव घोष और प्रधानाध्यापिका सुश्री पुष्पा राजावत ने विजेताओं के साथ-साथ उनके शिक्षकों, गुरुओं की सराहना की और बधाई दी।

धर्म लाइव

मिनीमाता स्मृति दिवस 11 को प्रतिभा सम्मान के लिए आवेदन शुरू

रायपुर। गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की ओर से 11 अगस्त को मिनीमाता स्मृति दिवस मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम न्यू राजेंद्र नगर स्थित सामाजिक भवन में होगा। इसी दौरान सतनामी समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए आज से आवेदन आमंत्रित कर पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। इसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित है। अकादमी के अध्यक्ष केपी खण्डे, महासचिव डॉ. जेआर सोनी एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि जिले में निवासरत सतनामी समाज की ऐसी महिलाएं, युवतियां, जिन्होंने खेल, कला, संगीत, साहित्य, शिक्षा, विधि, योग, चिकित्सा, कृषि, वीरता, पत्रकारिता, महिला सशक्तिकरण, प्रशासनिक क्षेत्र, नशामुक्ति अभियान, रोजगारोन्मुखी कार्य, समाजोत्थान आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है, उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं में 80% एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान बच्चों को भी सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महिलाएं अपनी प्रविष्टियां आशा पात्रे के मोबाइल 87188-63747 तथा बोर्ड के विद्यार्थी प्रकाश बांधे के मो. 95224-66760 में अपनी अंकसूची की छायाप्रति वाट्स एप में भेजकर पंजीयन करा सकते हैं।

गायत्री प्रज्ञापीठ में सामूहिक जाप आज

रायपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संतोषीनगर स्थित गायत्री प्रज्ञा पीठ में रविवार को सुबह 6 से 9 बजे तक सामूहिक जप किया जाएगा। साथ ही 10 से 1 बजे तक 3 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ होगा, जिसमें कई संस्कार पुंशवन, मुंडन, दीक्षा आदि निशुल्क किया जाएगा। इसके बाद गुरु पूर्णिमा के संबंध में परिजनों द्वारा संबोधित किया जाएगा। यह जानकारी कोमल देवांगन ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में आरके साहू, एचआर साहू, बेनीराम साहू, रामेश्वर पटेल, दिलीप निषाद आदि उपस्थित रहेंगे।

समाज इवेंट

बैगलेस डे पर सृजनात्मक कार्य कर बच्चों ने बनाया हैंगिंग शोपीस

रायपुर। बच्चों के सृजनात्मक कौशलों को विकसित करने के उद्देश्य से शनिवार को बस्ताविहीन दिवस मनाया गया। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय नवा रायपुर व स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सप्ताह में एक दिन पाठ्यक्रम शिक्षण के अतिरिक्त बच्चों के सृजनात्मक बनाने बिना बैग के स्कूल बुलाया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के मौलिक गुणों एवं अभिरुचियों को सार्वजनिक रुप से प्रकट करते हुए निरंतर स्कूल आने तथा अपने नैसर्गिक कौशलों को विकसित करना है। इसी कड़ी में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में बच्चों को हस्तकला के माध्यम से अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रकट करने का अवसर प्रदान किया गया। प्राचार्य जे.पी. श्याम के मार्गदर्शन और शिक्षक राम कुमार वर्मा, रोशन वर्मा, रजत हालदार, रोहिणी सिंह, मयूरी फड़के, शिखा बोहरे, दीपिका पटेल, दीक्षा सोनवानी, दीपांजली पटनवार ने कक्षावार बच्चों को चित्रकला, हस्तकला, पेपर क्राफ्ट, हैंगिंग शोपीस का निर्माण कराया। वहीं बच्चों में वृक्षारोपण एवं वाटिका विकास की कुशलता बढ़ाने के लिए गमलों को संधारित कराया गया। इसमें बच्चों ने काफी रुचि ली और अपनी कलात्मक क्षमता को प्रदर्शित किया। शाला में ऐसी बाल केंद्रित गतिविधियां निरंतर जारी रखने के लिए एसएमडीसी अध्यक्ष अपर्णा दास, संकुल समन्वयक रेणू मोहंती, एपीसी विवेक शर्मा, मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा दुर्ग राकेश पांडेय सहित विभागीय अधिकारियों ने उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

● एनआईटी, आईआईआईटी व आईआईएम में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न क्लबों का गठन

किताबी ज्ञान के साथ स्टूडेंट्स को सोशल एक्टिविटी से जोड़ने बना क्लब, स्पोर्ट्स व संगीत से स्ट्रेस करेंगे दूर

शहर में संचालित एनआईटी, आईआईआईटी व आईआईएम में विद्यार्थियों को सोशल एक्टिविटी से जोड़ने के लिए अनेक क्लब का गठन किया गया है, जिसमें प्रत्येक वर्ष होने वाली गतिविधियों को विद्यार्थियों द्वारा संचालित किया जाता है।

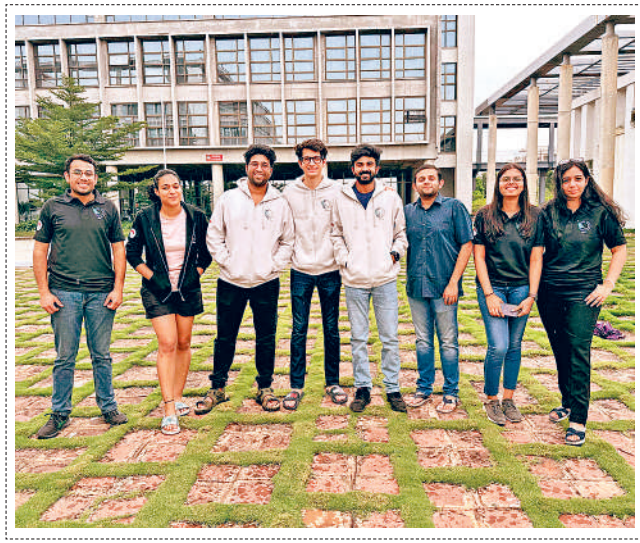

रायपुर। साल की शुरुआत में क्लब के अनेक आयोजनों की सूची तय की जाती है, जिसके आधार पर ही इसका संचालन किया जाता है। इसमें विद्यार्थी अपनी रुचि अनुसार सहयोग करते हैं। इस दौरान पर्यावरण, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्पोर्ट्स, नुक्कड़ नाटक, संगीत, नृत्य जैसे अनेक क्लबों का संचालन किया जा रहा है।

कई कार्यक्रमों का होगा आयोजन

आईआईएम से मीडिया विभाग से साई प्रसाद ने बताया, संस्थान में लगभग 30 कमेटियों का गठन किया गया है। जो बीते कई वर्षों से नए विचारों व योजनाओं के साथ संचालित किया जाता है। इसमें बीते वर्ष प्लेसमेंट कैंप, मीडिया योजना, पौधारोपण, स्कूल के छात्रों को संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा पढ़ाई कराना, महिलाओं के विकास व जागरूकता के क्षेत्र में काम करने जैसी अनेक योजनाओं पर कार्य किया गया।

विद्यार्थियों के कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा

आईआईआईटी से डॉ. मनोज कुमार मजूमदार ने बताया, नए सत्र में कार्यों की सूची तैयार की जाती है। इसमें ओरिऐंटेशन वर्कशॉप, फुटबॉल प्रतियोगिता, आप की अदालत, चैस प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर, चाय पे चर्चा, आगाज, आरंभ जैसी कई योजनाएं तैयार की गई हैं। क्लब व कमेटी द्वारा विद्यार्थियों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य किया जाता है।

नीतियों, बुनियादी मॉडल पर विश्लेषण

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भारत के राज्य एवं उनकी नीतियों, बुनियादी ढांचे व राज्य मॉडल के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भारत के बजट का परिचय दिया गया, जिससे छात्रों में बजट के प्रति सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों की विश्लेषण किया जा सके।

पढ़ाई के साथ क्लब में दिखाएंगे टैलेंट

एनआईटी के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए प्रत्येक वर्ष क्लब के द्वारा कार्य किया जाता है। इसमें कल्चर कमेटी, द स्पोर्ट्स कमेटी, क्लिक क्लब, रागा द म्यूजिक क्लब, राजभाषा समिति, अभिनय, गो ग्रीन क्लब जैसे 21 क्लब व कमेटी का संचालन किया जा रहा। बीते वर्ष पर्यावरण, शिक्षा, प्रतियोगिता, स्वास्थ्य, रोबोटिक, नृत्य, संगीत, नुक्कड़ नाटक, वर्कशॉप जैसे कई कार्य कमेटी और क्लब द्वारा किए गए। इसमें प्रतिभागियों के बीच अर्थशास्त्र के ज्ञान के प्रशिक्षण के लिए प्रश्न-उत्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आत्मनिर्भर बनने कामकाजी महिलाएं सीख रहीं हुनर, ट्रेनिंग के बाद खोलेंगी खुद का सेंटर

100 से अधिक महिलाएं ले रहीं सिलाई-कढ़ाई का निशुल्क प्रशिक्षण

रायपुर। नगर निगम जोन 4 क्षेत्र स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड के सामुदायिक सेवा सदन में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने निःशुल्क सिलाई कढ़ाई शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 3 माह तक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देकर सिलाई-कढ़ाई में पारंगत होने का मौका मिलेगा। वार्ड पार्षद व एमआईसी सदस्य आकाश तिवारी की ओर से यह निशुल्क शिविर उनके वार्ड में आयोजित है। इसमें पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड के साथ ही आसपास के वार्ड की महिलाएं शामिल हो रही हैं। 15 जुलाई से शुरू हुए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में 100 से अधिक प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने राजधानी रायपुर में अब वार्ड स्तर पर पहल की गई है। नगर निगम जोन 4 के पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड में स्कूली छात्राओं से लेकर गृहणी और कामकाजी महिलाएं सिलाई-कढ़ाई का निशुल्क प्रशिक्षण लेने सामुदायिक सेवा सदन में पहुंच रही हैं। खास बात ये है कि इन प्रतिभागियों में एक ही परिवार की 3 देवरानी-जेठानी एक साथ सिलाई, कढ़ाई सीखने आ रही हैं। उन्हें परिवार का अच्छा सपोर्ट भी मिल रहा है। सिंधी मोहल्ला राजातालाब निवासी गूंजा यादव ने हरिभूमि को बताया कि वे दसवी कक्षा पास हैं। सिलाई-कढ़ाई सीखने की इच्छा रही, इसलिए शिविर में 3 दिन से आ रही हैं। घरेलू कामकाज के साथ प्रशिक्षण के लिए 3 घंटे का समय वे निकाल रही हैं। सिलाई सीखकर वे अपने जैसी जरूरतमंद महिलाओं के साथ स्वसहायता समूह बनाना चाहती हैं। राजातालाब क्षेत्र की देवकी वर्मा, दुलेश्वरी और मीरा वर्मा ने बताया कि शिविर के बारे में उन्हें जैसे ही जानकारी मिली, वे तीनों एक साथ शिविर में सिलाई, कढ़ाई सीखने पंजीयन कराने पहुंचीं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने जिस तरह इस वार्ड में निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर वार्ड स्तर पर लगाया गया है, उसी तरह शहर के 69 वार्डो में भी इस तरह से शिविर लगाया जाये, तो शहर की जरूरतमंद महिलाओं को इससे काफी फायदा होगा।

25 साल से सिलाई प्रशिक्षण

शिविर में महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का निःशुल्क प्रशिक्षण दे रही महिला प्रशिक्षक छायारानी सेंदवार और सरोज राजपूत ने संयुक्त रूप से बताया कि पिछले 25 साल से वे राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर आयोजित शिविर में जरूरतमंद महिलाओं को हुनरमंद बनाने जुटी हैं। उनके सिखाये कई प्रशिक्षार्थियों ने खुद का ब्यूटी पार्लर व सिलाई-कढ़ाई सेंटर खोल रखा है। पिछले साल भी उनके पास इस शिविर में 100 से ज्यादा महिलाओं ने सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जब संसार को समझ जाएंगे, उस दिन खुद को मोक्ष मार्ग के करीब पाएंगे

रायपुर। दीर्घ तपस्वी विरागमुनिजी की निश्रा में दादाबाड़ी में शनिवार को आत्मस्पर्शी चातुर्मास-2024 की मंगलमयी शुरुआत हुई। प्रवचन श्रृंखला के दौरान शनिवार को विरागमुनिजी ने कहा कि जिनवाणी का श्रवण करना बहुत ही दुर्लभ है। आपको मानव जीवन एक बार फिर मिल जाएगा, लेकिन जिनवाणी का श्रवण करने का मौका आपको बार-बार नहीं मिलेगा। आज शासन और संसार को जिसने नहीं समझा, वह मोक्ष मार्ग तक कभी नहीं पहुंच पाएगा। जिस दिन शासन और संसार को समझ जाएंगे, उस दिन आप खुद को मोक्ष मार्ग के करीब पाएंगे। जबकि आज तो धर्म 90 प्रतिशत लोगों को दुख की तरह लगता है, एक कष्ट लगता है। मुनिश्री ने आगे कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले शादी के मुहूर्त खत्म हुए और इसी बीच धूमधाम से सैंकड़ों शादियां भी शहर में हुईं, क्योंकि सबको पता है कि अब चार महीने शादी का कोई मुहूर्त नहीं है, इसीलिए सभी ने अपनी सुविधानुसार बच्चों की शादी करा दी। अब 4 महीने का चातुर्मास लोगों को बंधन की तरह लग रहा है, लेकिन उन्हें नहीं पता कि यह बंधन नहीं, एक सिक्योरिटी है। जैसे आप आतंकवादियों के इलाके में जाते हैं तो आपको बुलेटप्रूफ जैकेट दी जाती है। इलाका अगर और भी खतरनाक है तो आपको दो बुलेटप्रूफ जैकेट दे दी जाएगी। वैसे ही आपको इस चातुर्मास में चार बुलेटप्रूफ जैकेट मिल रहे हैं तो आप किस चुनेंगे। जाहिर-सी बात है कि आप चार बुलेटप्रूफ जैकेट को चुनेंगे, ताकि आपकी सुरक्षा का दायरा और बढ़ जाए।

तानसेन की सुनाई कहानी

मुनिश्री ने अकबर बादशाह के नवरत्नों में से एक तानसेन के बारे में बताया कि तानसेन को दीपक राग आता था, जिससे आसपास के सारे दीये जल उठते थे। यह बात बादशाह अकबर के कानों में पड़ी तो उन्होंने तानसेन को तुरंत बुलाने का आदेश दिया। तानसेन को भी यह खबर पता चल गई कि बादशाह अकबर ने उन्हें बुलाया है और वह इससे बचना चाहता था क्योंकि दीपक राग गाकर दीये तो जल जाएंगे, लेकिन इसके साथ ही साथ अंदर के जो दीये जलेंगे, उसे बुझाना तानसेन के लिए बहुत ही मुश्किल हो जाएगा। अंदर की जलन को बुझाने के लिए तानसेन को सावन की वर्षा का इंतजार करना पड़ता या फिर राग मल्हार गाकर वर्ष करानी पड़ती, लेकिन तानसेन को राग मल्हार गाना नहीं आता था। महीना था आषाढ़ का, लेकिन अब कर भी तो करें क्या, बादशाह का हुक्म था, तानसेन ने हां कह दिया और नगर के लोगों ने यह कारनामा देखने हुजूम लगा दिया। तानसेन ने दीपक राग गाना शुरू किया और देखते ही देखते नगर के सारे दीये जल उठे।

जिनवाणी का श्रवण करते रहें : आचार्य विरागमुनि

● टैटू बनवाने का क्रेज, भगवान के नाम, मंत्र व चेहरे की आकृति शरीर पर गुदवा रहे शिवभक्त

कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले शिव के अघोरी रूप टैटू का बढ़ा चलन, 30 हजार तक खर्च करने को तैयार

कार्नर न्यूज

शिवभक्तों के लिए केदारनाथ व अमरनाथ यात्रा चल रही है। वहीं भगवान शिव का प्रिय सावन का महीना भी 22 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। हर भक्त किसी न किसी तरह भगवान शिव के प्रति अपनी भक्ति दिखाता है।

मंत्र गुदवा रहे शिवभक्त

आर्टिस्ट केशव ने बताया कि लोग धार्मिक टैटू बनवाना पसंद करते हैं, लेकिन भगवान शिव के प्रति भी भक्तों की गहरी आस्था है, इसलिए लोग भगवान शिव के प्रतीक डमरू, त्रिशूल आदि जैसे पवित्र चिह्नों का अपने शरीर पर टैटू बनवाते हैं। इन दिनों मंत्र टैटू में अंत अस्ति प्रारंभ व सर्वस्यापी भवते मंत्र लिखवाया जा रहा है।

रायपुर। कोई पूजा-पाठ करके तो कोई मीलों यात्रा करके भगवान शिव के दर्शन के लिए जाता है। वहीं अब नए ट्रेंड के हिसाब से लोग अपने शरीर पर भगवान शिव के नाम, मंत्र व पोर्ट्रेट का टैटू बनवाना पसंद कर रहे हैं। जैसे ही शिव की भक्ति का महीना आता है, वैसे ही लोग खासकर युवाओं में धार्मिक टैटू बनवाने का क्रेज बढ़ने लगता है। टैटू आर्टिस्ट की मानें तो सावन के महीने व कांवड़ यात्रा के दौरान टैटू बनने शुरू हो जाते हैं। दिन में 3 से 4 युवा टैटू बनवाने आ रहे हैं।

रूद्र रूप का भी टैटू बनवा रहे

आर्टिस्ट मान ने बताया कि वैसे तो 12 महीने टैटू बनाते हैं, लेकिन सावन शुरू होते ही भगवान शिव के टैटू ज्यादा बनने शुरू हो जाते हैं। खासतौर पर कांवड़ लेकर जाने वाले भक्त शरीर पर टैटू बनवाना काफी पसंद करते हैं। वे अघोरी स्वरूप का टैटू बनवाते हैं। इन दिनों कोई महामृत्युजंय मंत्र में त्रिशूल, कोई शिव पोर्ट्रेट में, कोई शांत स्वरूप, कोई अघोरी स्वरूप तो कोई तांडव करते हुए रूद्र रूप में टैटू बनवाना पसंद कर रहा है। भगवान शिव के टैटू का ट्रेंड सावन में ज्यादा देखने को मिलता है।

बेहिसाब खर्च करने को तैयार

टैटू आर्टिस्ट ने बताया कि इन दिनों रोजाना 2 से 3 युवा टैटू बनवाने आ रहे हैं। कोई भगवान शिव का पोर्ट्रेट मंत्र के साथ तो कोई शिव मंत्र तो जय महादेव, महाकाल आदि के टैटू बनवा रहा है। उन्होंने बताया कि छोटे टैटू बनाने में तो आधा घंटा लगता है, लेकिन पोर्ट्रेट बनाने में लगभग 5 घंटे लगते हैं। लोग महामृत्युंजय मंत्र भी लिखवाना पसंद कर रहे हैं। छोटे टैटू बनवाने में 2500 रुपए का खर्च आता है, वहीं बड़े पोर्ट्रेट बनवाने में 12 हजार से 30 हजार तक का खर्च आता है।

सिटी स्पोर्ट्स

योग्यता के परीक्षण से खिलाड़ियों को चुना गया तीरंदाजी खेल अकादमी रायपुर के लिए

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा रायपुर में संचालित आवासीय तीरंदाजी अकादमी के लिए 20 बालक तथा 20 बालिकाओं का चयन किया जा चुका है। राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन दिनांक 25 एवं 26 जून को रायपुर के स्वामी विवेकानन्द स्टेडियम एवं खेल संचालनालय परिसर तीरंदाजी एरिना में हुआ। चयन ट्रायल में सम्मिलित होने वाले समस्त खिलाड़ियों एवं उनके पालकों के लिए संचालनालय के द्वारा आवास, नाश्ता, भोजन, ग्लूकोज और निंबू पानी इत्यादि की व्यवस्था की गई। चयन ट्रायल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर के द्वारा मेडिकल टीम की तैनाती की गई। खेल संचालक तनुजा सलाम के निर्देश पर चयन ट्रायल के नोडल अधिकारी चेतन कुमार श्रीवास प्रशासक खेल अकादमी रायपुर के द्वारा चयन ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। सुव्यवस्थित तरीके से चयन ट्रायल सम्पन्न कराया गया।

चयन समिति में भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के एन.आई.एस. प्रशिक्षक शामिल रहे। चयनकर्ताओं के द्वारा खिलाड़ियों के फिटनेस से संबंधित मोटर एबिलिटी टेस्ट, मेडिकल टेस्ट, स्पोर्ट्स स्कील टेस्ट एवं मेंटल एबिलिटी टेस्ट लिये गए। निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले खिलाड़ियों को ही प्रदर्शन के आधार पर मैरिट क्रमानुसार 13 से 17 वर्ष आयुवर्ग के खिलाड़ियों को चयनित किया गया।

प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में भाग लिया। रायपुर जिले से 05 बालिका, 09 बालक, सरगुजा जिले से 07 बालिका, धमतरी जिले से 02 बालक, 04 बालिका, महासमुंद जिले से 05 बालिका, 02 बालक, नारायणपुर जिले से 03 बालक, बिलासपुर जिले से 01 बालक, कोण्डागांव जिले से 01 बालक एवं गरियाबंद जिले से 01 बालिका चयनित हुए। चयनित खिलाड़ियों को 10 दिवस के भीतर अकादमी में प्रवेश दिया जावेगा। यदि चयनित खिलाड़ी में से कोई प्रवेश लेने में असमर्थ रहता है, तो प्रतीक्षा सूची में से मेरिट के आधार पर प्रवेश देने की कार्यवाही की जाएगी।

खेल अकादमी में प्रवेश लेने वाले खिलाड़ियों को खेल अकादमी संचालन नियम, 2014 के अंतर्गत निःशुल्क आवास, भोजन, शैक्षणिक सुविधा, परिधान, प्लेइंग किट, दुर्घटना बीमा एवं प्रतियोगिताओं में सहभागिता आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आवासीय खेल अकादमी के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए राज्य शासन के द्वारा एन.आई.एस. प्रशिक्षकों की भर्ती की गई है। समय समय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को खेल अकादमी में आमंत्रित कर विशिष्ट प्रशिक्षण का आयोजन भी कराया जावेगा।

चयनित बालिका खिलाड़ियों में कुमारी अनिता प्रजापति, मरियम केरकेट्टा, डोमेश्वरी साहू, मान्या वर्मा, भुवनेश्वरी, अनुष्का टोप्पो, सुनीता साहू, विनीता एक्का, यामिनी धीवर, देविका साहू, प्रेयंशी वर्मा, दीक्षा साहू, प्रियांशी महंत, करिश्मा एक्का, बबली रानी राजवाड़े, चांदनी मरकाम, लक्ष्मी साहू, ट्वींकल देवांगन, तनुष्का रेगे एवं दिलेश्वरी साहू शामिल हैं। बालक खिलाड़ियों में मो. अर्श आजम खान, खिलेश भद्रे, भोजपाल सिन्हा, अमित कुमार सिन्हा, राहूल उसेण्डी, अविनाश कवड़े, हर्ष कुमार सोनी, अमन शर्मा, विजय कुमार, तनिष्क यादव, अतुल कुमार नेताम, निलेष फुण्डे, कुसोराम साहू, लक्ष्य साहू, गणेशु कुमार, शौर्य साहू, हर्ष ठाकुर, जसमित सिंह, मुकेश मण्डावी एवं अमृत कुमार नेताम शामिल हैं।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक में छत्तीसगढ़ को 2 गोल्ड मेडल के साथ 6 मेडल

रायपुर। 13 वीं सब जूनियर जूनियर नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 15 से 17 जुलाई बेंगलुरु में आयोजित हुई। जिसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 2 गोल्ड सहित 6 मैडल जीते। इनमें सुखदेव ने 100 मीटर रनिंग में गोल्ड मेडल और 400 मीटर रनिंग में गोल्ड मेडल, यशोदा राजवाड़े ने लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल और 100 मीटर रनिंग में ब्रोंज मेडल, नोशन कुमार ने 1500 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल , उदय निषाद ने लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया साथ में गए कोच निरंजन साहू का योगदान बहुत ही सराहनीय रहा।

इस उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को आर सी मिश्रा, सूरज यादव अध्यक्ष, प्रशांत सिंह रघुवंशी, उपाध्यक्ष, डिकेश टंडन महासचिव, प्रमोद तिवारी , नरेंद्र मिश्रा, नीता डूमरे, धर्मवीर एवं पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़ के सभी पदाधिकारी ने शुभकामनाएं दी है।

दिल की सेहत का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण पैमाना है ट्राइग्लिसराइड्स

हाई ट्राइग्लिसराइड से बढ़ रही परेशानी कारण और बचाव जानना बेहद जरूरी

हृदय रोगों के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आनुवांशिकता और जन्मजात स्थितियों को छोड़ दिया जाए तो हृदय रोग के अधिकांश कारकों को नियंत्रित करके इस गंभीर समस्या से सुरक्षित रहा जा सकता है। मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल, हाई ट्राइग्लिसराइड्स के अलावा शुगर बढ़ने, आहार-दिनचर्या में गड़बड़ी के कारण हृदय से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं।

नियमित रूप से इनकी जांच और बचाव के लिए उपाय कर लिए जाएं तो हृदय रोग सहित कई बीमारियों से भी सुरक्षित रहा जा सकता है।

ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ने के कारण और इससे बचाव के बारे में आपके लिए बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, ट्राइग्लिसराइड्स हृदय स्वास्थ्य का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण पैमाना है। जिन लोगों का ट्राइग्लिसराइड बहुत अधिक बढ़ा रहता है उनमें हृदय रोग और हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा हो सकता है। आहार और लाइफस्टाइल को ठीक रखकर ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को नियंत्रित रखा जा सकता है।

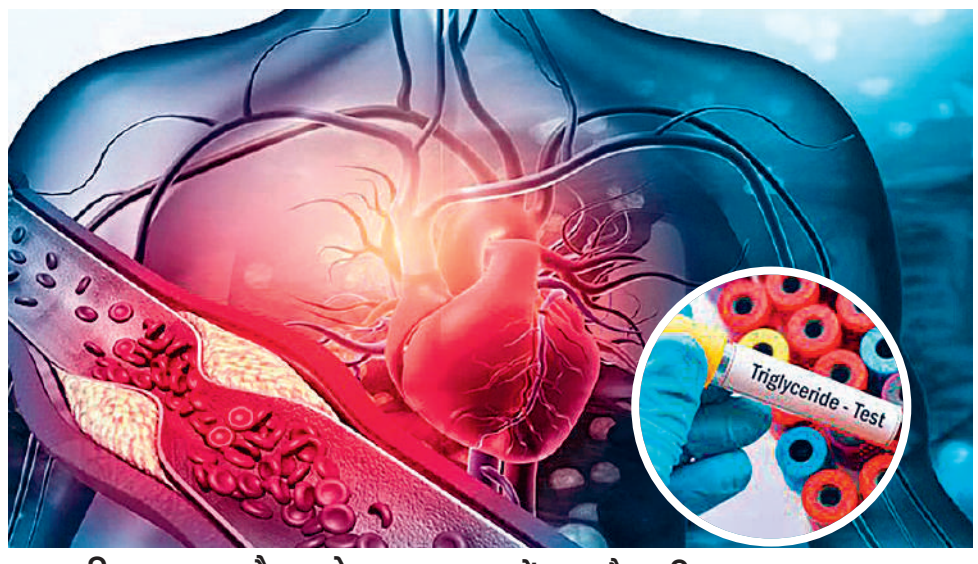

ट्राइग्लिसराइड्स और इसके कारण होने वाली समस्या

ट्राइग्लिसराइड्स एक प्रकार का फैट हैं जिसे लिपिड कहा जाता है। ट्राइग्लिसराइड्स कुछ प्रकार के खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से मक्खन, तेल और अन्य वसा वाले स्रोतों से आते हैं। वैसे तो इसे हानिकारक नहीं माना जाता है पर अगर इसकी मात्रा अधिक हो जाए तो इससे कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा हो सकता है। जो लोग नियमित रूप से सीमित मात्रा से अधिक कैलोरी का सेवन करते हैं, विशेष रूप से हाई कार्बोहाइड्रेट वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ने का खतरा रहता है।

क्या एक ही चीज है कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड?

कहीं आप भी तो कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को एक ही नहीं मानते आ रहे हैं? ये दोनों अलग-अलग हैं। ट्राइग्लिसराइड्स, शरीर द्वारा उपयोग न की गई कैलोरी को संग्रहीत करता है और आपके शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। कोलेस्ट्रॉल का उपयोग कोशिकाओं और कुछ हार्मोन बनाने के लिए किया जाता है। हाई ट्राइग्लिसराइड का स्तर स्ट्रोक और अग्न्याशय में सूजन के साथ-साथ अन्य गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को बढ़ा देता है। वहीं कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से धमनियों में जमाव हो सकता है जिससे एथेरोस्क्लेरोसिस नामक समस्या होती है। ये हार्ट अटैक के प्रमुख कारकों में से एक है।

क्यों बढ़ता है ट्राइग्लिसराइड?

खून की जांच में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर 200 मिलीग्रा/डीएल से अधिक होना हानिकारक माना जाता है। सिंपल कार्बोहाइड्रेट जैसे कि चीनी-सफेद आटा या फ्रुक्टोज से बने खाद्य पदार्थों के अधिक सेवन के कारण ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ने का जोखिम रहता है। इसके अलावा अधिक वजन वाले लोगों में भी इसका जोखिम रहता है।

ट्राइग्लिसराइड को कैसे करें कंट्रोल?

आहार और दिनचर्या में कुछ आवश्यक बदलाव करके ट्राइग्लिसराइड को बढ़ने से रोकने या इसे नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। हरी सब्जियों को वैसे तो सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी माना जाता है पर जिन लोगों का ट्राइग्लिसराइड बढ़ा हुआ रहता है उन्हें स्टार्च वाली सब्जियों जैसे मकई और मटर आदि के अधिक सेवन से बचना चाहिए। इसके अलावा शराब पीने वालों में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड दोनों का स्तर बढ़ने का जोखिम देखा जाता रहा है। हृदय स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने के लिए शराब और धूम्रपान दोनों से दूरी बनाकर रखना आवश्यक माना जाता है। नियमित रूप से व्यायाम करना अच्छी सेहत के लिए जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि करने का लक्ष्य रखें।

सावन सोमवार के व्रत में करें इनका सेवन, महादेव को भी लगाएं भोग

अगर आप भी सावन का व्रत रखने का सोच रहे हैं लेकिन आपको यह संशय है कि आप खाने में क्या खा सकते हैं तो यहां विस्तार से जानकारी आपके लिए है। इन पकवानों के सेवन से आपको व्रत के दौरान भूख का एहसास नहीं होगा और आप पूरा दिन तरोताजा रहेंगे। यह सभी पकवान बनाने में भी काफी आसान हैं। ऐसे में आपको इसे तैयार करने के लिए ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कुट्टू के आटे की पूड़ी

कुट्टू के आटे से पूड़ी बनाना काफी आसान होता है। इसे आप आलू की सब्जी या दही के साथ खा सकती हैं। ये काफी कुरकुरी होती हैं, जिस वजह से इसका स्वाद और भी ज्यादा अच्छा लगता है।

साबूदाना खिचड़ी

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे साबूदाना की खिचड़ी खाने में पसंद न हो। आप अगर इसे बनाकर अपने बच्चों को भी खिलाएंगे, तो उनका पेट के साथ मन भी खुश हो जाएगा। ऐसे में बिना डरे इसे तैयार कर सकती हैं।

कुट्टू की पकौड़ी

बारिश का मौसम भी हो रहा है। ऐसे में व्रत वाले दिन आप कुट्टू की पकौड़ी भी तैयार कर सकती हैं। इसे बनाना काफी आसान होता है और ये खाने में भी स्वादिष्ट लगती है।

कटलेट

आप चाहें तो या तो आलू के या फिर साबूदाना के कटलेट भी व्रत के लिए तैयार कर सकती हैं। इसे फलाहारी हरी चटनी के साथ ही परोसें। चटनी के इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

मखाने की खीर

अगर कुछ मीठा बनाने का सोच रही हैं तो मखाने की खीर एक बेहतर विकल्प है। इसका भोग आप महादेव को लगा सकती हैं। मखाने की खीर का भोग लगाना काफी अच्छा माना जाता है। ऐसे में बिना सोचे मखाने की खीर बनाएं।

राजगिरा पराठा

राजगिरा के आटे से बने पराठे, जिसे दही या फलाहारी सब्जी के साथ खाया जा सकता है। ये काफी हेल्दी भी होता है।

एल्युमिनियम की बनवा रहे हैं अलमारी तो वास्तु के इन नियमों का रखें ध्यान

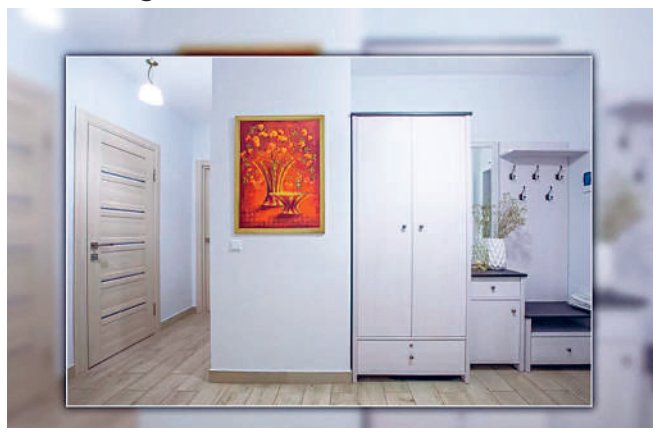

अमूमन घर में एल्युमिनियम की अलमारी बनवाते समय अक्सर ग्लास का इस्तेमाल किया जाता है। वही, अगर बेडरूम में एल्युमिनियम की अलमारी का इस्तेमाल किया जाता है तो उसमें मिरर भी लगाया जाता है। चाहे आप एल्युमिनियम की अलमारी को किसी भी तरह घर में इस्तेमाल करें, लेकिन उससे आपके घर में पॉजिटिविटी ही बनी रहे, इसके लिए आपको वास्तु के कुछ नियमों को बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सही दिशा में रखें अलमारी

जब आप अपने घर में एल्युमिनियम की अलमारी का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको दिशाओं का खास ख्याल रखना चाहिए। अमूमन लोग यह सोचते हैं कि एल्युमिनियम की अलमारी को रखते समय यह सोचते हैं कि वह वजन में हल्की है और इसलिए वे उसे उत्तर या पूर्व दिशा में रखते हैं। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप इसमें सामान रखते हैं तो यह भी भारी हो जाती है। एल्युमिनियम की अलमारी को रखने के लिए पश्चिम दिशा सबसे अच्छी मानी जाती है। हालांकि, आप एल्युमिनियम की अलमारी को दक्षिण दिशा में भी रख सकते हैं।

रखें कपड़े

अगर आपने अपनी एल्युमिनियम की अलमारी को पश्चिम दिशा में रखा है तो उसमें कपड़े रखे जा सकते हैं। इसमें शादी या किसी खास मौके के लिए साड़ियां या सूट रखना काफी अच्छा माना जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि व बरकत होती है। हालांकि, इस अलमारी को बनवाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि आप इसमें मिरर ना लगाएं। आप इसमें ट्रांसपेरेंट ग्लास लगा सकते हैं। इससे आपको अंदर रखा हुआ सामान भी आसानी से नजर आएगा। हालांकि, अगर आपको किसी वजह से अलमारी में मिरर का इस्तेमाल करना पड़ता है तो आप उसे हमेशा अलमारी के पल्ले के अंदर के हिस्से में लगाएं।

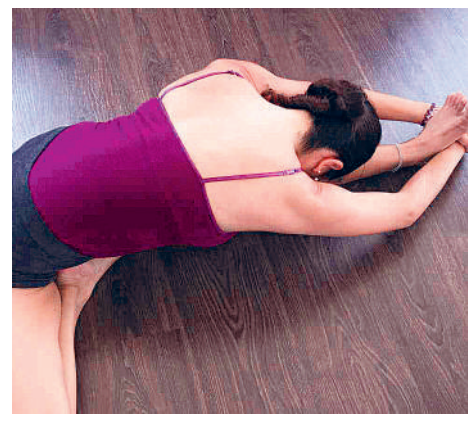

पेट की चर्बी और पीठ दर्द दोनों होंगे कम अपनाएं योगासन

गलत पॉश्चर, लंबे समय तक बैठे रहने और भी कई कारणों के चलते, आजकल लोगों की पीठ में दर्द रहने लगा है। वहीं, गलत खान-पान, हार्मोनल इंबैलेंस और स्ट्रेस जैसी वजहों से, बेली फैट बढ़ने लगा है। पेट की जिद्दी चर्बी आसानी से टस से मस नहीं होती है और पीठ के दर्द के चलते भी हमारे रूटीन पर असर होता है। कई बार लोग पीठ दर्द को कम करने के लिए ओवर-द-काउंटर मेडिसिन भी लेते हैं। आपको बता दें कि कुछ योगासन, बेली फैट और पीठ दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये योगासन कौन-से हैं और इन्हें करने का सही तरीका क्या है, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं। यह जानकारी योगा एक्सपर्ट नताशा कपूर दे रही हैं। वह सर्टिफाइड योगा टीचर हैं।

भद्रासनः इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर बैठ जाएं। आपको दोनों घुटने मोड़कर बैठना है।अपने दोनों पंजों को मिलाएं।दोनों पंजों को हाथों की उंगलियों से पकड़ें। इस पोजिशन में खुद को कम्फर्टेबल करने की कोशिश करें।अब इस पोजिशन को होल्ड करें। अब अपने हाथों को फैलाते हुए ऊपर की तरफ ले जाएं। हाथों को आपको सामने फर्श की ओर लेकर जाना है।अपने शरीर को भी आगे की तरफ झुकाएं। अब इस पोजिशन को होल्ड करें।इससे पेट की चर्बी कम होती है।इसे करने से पीठ के दर्द में भी आराम मिलता है।इसे करने से एसिडिटी, कब्ज

और पेट की दिक्कतें दूर होती हैं। इस आसन को करने से थकान दूर होती है। महिलाओं की फर्टाइल हेल्थ के लिए भी यह फायदेमंद है।

भुजंगासनः इसे कोबरा आसन भी कहा जाता है। इसे करने के लिए, सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अब आपको हथेलियों को फर्श पर रकना है। शरीर के निचले भाग को जमीन पर रखते हुए, हथेलियों पर दबाव डालें। अब शरीर के ऊपरी भार को फर्श से ऊपर की ओर उठाएं। इस पोजिशन को कुछ देर होल्ड करें।इसके बाद सांस छोड़ते हुए ओरिजनल पोजिशन में वापिस आ जाएं।इस आसन को करने से बेली फैट कम होगा और पीठ दर्द से भी राहत मिलेगी। यह आसन थकान को भी दूर करता है। इससे मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर में लचीलापन आता है।

इन 2 योगासनों को रूटीन का हिस्सा बनाकर, आप बेली फैट और बैक पेन से निजात पा सकती हैं। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

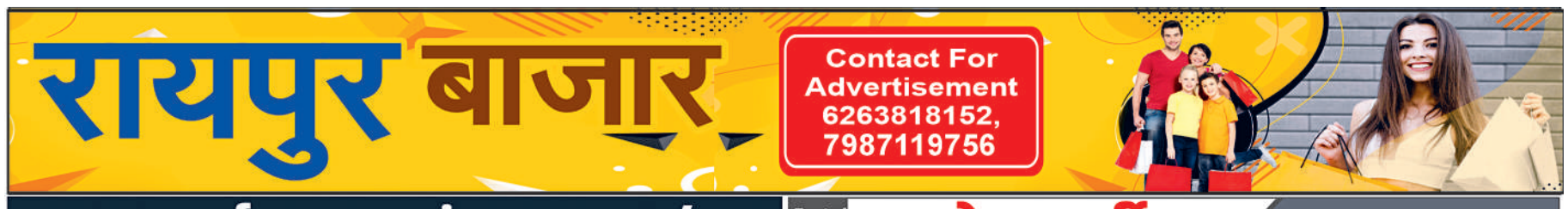

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

प्राइम वीडियो शो का ट्रंप पर जानलेवा हमले से कनेक्शन, बदला एपिसोड का नाम

'द बॉयज सीजन 4' के फिनाले को समीक्षकों और दर्शकों से मिली जुली प्रतिक्रया मिली है। हालांकि, अगर आपने इसे अभी तक नहीं देखा है तो आप शो और प्राइम वीडियो

के आधिकारिक अकाउंट द्वारा आखिरी मिनट में जारी की गई चेतावनी से आश्चर्यचकित हो सकते हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और वर्तमान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प पर हत्या के प्रयास के बाद अमेजन ने 'द बॉयज सीजन 4' के समापन पर एक बयान जारी किया है। 'द बॉयज सीजन 4' में आठ एपिसोड हैं, जिसका आरंभिक शीर्षक 'असैसिनेशन रन' था। इसमें नवनिर्वाचित राष्ट्रपति रॉबर्ट सिंगरैंड और नव-निर्वाचित उप-राष्ट्रपति विक्टोरिया न्यूमैन पर हत्या के प्रयासों को दिखाया गया। प्राइम वीडियो का बेहद लोकप्रिय शो 'द बॉयज' एक राजनीतिक व्यंग्य के साथ-साथ एक सुपरहीरो शो भी है, जिसके पात्र और कहानियां वास्तविक दुनिया के राजनेताओं और घटनाओं से प्रेरित हैं। एपिसोड 8 एक साल से अधिक समय पहले लिखा गया था और 2023 में फिल्माया गया था, लेकिन ट्रम्प पर हत्या के प्रयास के कुछ ही दिनों बाद प्रसारित हुआ। इस वजह से, अमेजन ने एपिसोड का नाम 'सीजन 4 फिनाले' रख दिया और एक खास चेतावनी जोड़ दी है जो शुरुआत में स्क्रीन पर दिखाई देती है। 'द बॉयज' के सीजन 4 के समापन में काल्पनिक राजनीतिक हिंसा के दृश्य शामिल हैं, जो कुछ दर्शकों को परेशान करने वाले लग सकते हैं। चेतावनी में लिखा गया है, 'द बॉयज एक काल्पनिक सीरीज है जिसे 2023 में फिल्माया गया था, इनका पेनिसिल्वेनिया में हुई घटनाओं से कोई भी दृश्य या कथानक समानता संयोग मात्र है। अमेजन, सोनी पिक्चर्स टेलीविजन और 'द बॉयज' के निर्माता, किसी भी प्रकार की वास्तविक दुनिया की हिंसा को कड़े शब्दों में अस्वीकार करते हैं।'

टॉलीवुड

धनुष की 50वीं फिल्म 'रायन' का गाना 'ओह राया' रिलीज, रहमान के सुरों ने जीते दिल

धनुष अभिनीत और निर्देशित फिल्म 'रायन' अपने दिलचस्प पोस्टर और ट्रेलर के जरिए सुर्खियों में छाई हुई है। आगामी गैंगस्टर ड्रामा धनुष की 50वीं फिल्म

है। हाल ही में जारी हुए ट्रेलर में फिल्म की कहानी की झलक देखने को मिली। वहीं, अब इसका गाना 'ओह राया' रिलीज हो गया है। सन पिक्चर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए गाने के रिलीज होने की जानकारी दी है। धनुष अभिनीत 'रायन' 26 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज की प्रत्याशा में, निर्माताओं ने अब 'ओह राया' नामक गाना जारी किया है, जिसे एआर रहमान ने संगीतबद्ध किया है। ट्रैक के बोल लालसा और जुड़ाव के विषयों का पता लगाते हैं। एआर रहमान की 'ओह राया' प्रेम और साहचर्य के विषयों की खोज करती है। वर्णनकर्ता जीवन की चुनौतियों से ऊपर उठने की इच्छा व्यक्त करते हैं। साथ ही किसी प्रिय की उपस्थिति में सांत्वना की तलाश करते हैं। 'रायन' धनुष की बतौर मुख्य अभिनेता 50वीं फिल्म है। एक गैंगस्टर के इर्द-गिर्द घूमती एक्शन ड्रामा फिल्म 'रायन' ने सेंसर की औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से 'ए' सर्टिफिकेट मिला है। यह धनुष की 'वडा चेन्नई' के बाद दूसरी ऐसी फिल्म है, जिसे यह रेटिंग मिली है। सन पिक्चर्स बैनर द्वारा निर्मित 'रायन' 26 जुलाई को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। फिल्म का लेखन और निर्देशन धनुष ने किया है, जो फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। 'रायन' धनुष की दूसरी निर्देशित फिल्म है, जो 'पा पांडी' के बाद बनी है। एआर रहमान फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं।

भोजपुरी

'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' का फर्स्ट लुक आउट

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री एक बार फिर भाई-बहन के पावन त्योहार रक्षाबंधन का सिल्वर स्क्रीन पर जश्न मनाने जा रही है। भोजवुड के जाने-माने निर्माता प्रदीप

सिंह एक नई भावनात्मक फिल्म 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में ऋतु सिंह, गौरव झा, संजय पांडेय, जे. नीलम और देव सिंह मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह है। जबकि इसका ट्रेलर 23 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। 'वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन' और 'मैड्ज मूवीज' के बैनर तले बन रही 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' एक पारिवारिक और भावनात्मक कहानी पर आधारित है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम और रिश्ते की गहराई को दर्शाती है। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में भी यह भाव साफ झलकता है। फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह के साथ समीर आफताब और प्रतीक सिंह हैं, जबकि इसे प्रमोद शास्त्री डायरेक्ट कर रहे हैं। कहानी एसके चौहन ने लिखी है। अपनी इस नई फिल्म के बारे में प्रदीप सिंह कहते हैं, 'यह फिल्म भाई-बहन के रिश्ते पर आधारित है और इसमें हमारे समाज के सबसे प्यारे और मजबूत रिश्ते को दिखाया गया है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म सभी को भावुक कर देगी और दर्शकों के दिलों को छू लेगी।'

पेरिस की अदा

लाइफ स्टाइल

पेरिस फैशन वीक के लिए विभिन्न शैलियों, रंगों और डिज़ाइनों का एक अनूठा संयोजन बनाया गया है जो विभिन्न संस्कृतियों को एक साथ लाता है। इसके अलावा, ये थीम कई अलग-अलग देशों के रीति-रिवाजों और समृद्ध विरासत को सम्मान देकर विविधता की आंतरिक सुंदरता का जश्न मनाती हैं। यहां रैम्प पर उतरने जा रहे माडल मानते हैं कि प्रत्येक संस्कृति अद्वितीय और आकर्षक है। संस्कृतियों को मिलाना चुनौतीपूर्ण लग सकता है, लेकिन जब सही तरीके से किया जाता है, तो यह आधुनिक दुनिया में साथ-साथ रहने वाली कई संस्कृतियों की चिरस्थायी आत्माओं को दर्शाता है।

बालों की करनी है नेचुरल केयर तो हेयर वॉश करते समय इन बातों का रखें ध्यान

बालों की ग्रोथ अच्छी हो साथ ही ये सिल्की और शाइन भी नजर आए। इसके लिए इनकी अच्छी तरह की केयर करना जरुरी है। जहां महिलाएं बालों की केयर करने के लिए कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं तो वहीं कई सारे उपाय भी करती है। इसी के साथ बालों को अच्छी तरह से वॉश करना भी बालों की केयर करने में अहम रोल अदा करता है लेकिन, अगर आप इनकी हेयर वॉश करते समय कुछ बातों को ध्यान रखती हैं तो बालों से जुड़ी समस्या कम हो सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं जिनका ध्यान आपको हेयर वॉश करते समय जरुर रखना चाहिए।

हेयर वॉश करने से पहले करें ये काम

हेयर वॉश करने से पहले बालों को अच्छी तरह से ऑयलिंग करें और ये काम 30 मिनट पहले करें। इसके बाद शैंपू की मदद से ही बालों को धोएं।

बालों को धोने से 30 मिनट पहले बालों पर तेल लगाएं साथ ही स्कैल्प की अच्छी तरह मसाज करे। अगर आप हेयर मास्क का इस्तेमाल कर रही हैं तो सबसे पहले पानी की मदद से हेयर मास्क का पेस्ट को साफ करें इसके बाद ही शैंपू का इस्तेमाल करें। हेयर करने से पहले पानी के तापमान चेक कर लें। हेयर वॉश करने वाला पानी न ज्यादा ठंडा होना चाहिए न ही ज्यादा गर्म। बालो को धोने वाला पानी का तापमान गुनगुना होना चाहिए।

हेयर वॉश के दौरान सही शैंपू और कंडीशनर का चुनाव करे। वहीं शैंपू का इस्तेमाल करते हुए बालों को रगड़े नहीं बल्कि हलके हाथ से मसाज करें। कंडीशनर का इस्तेमाल स्कैल्प पर न करें, कंडीशनर आप बालों पर लगाएं ताकि बाल सिल्की हो। कंडीशनर का इस्तेमाल गीले बालों पर करें। बालों पर कंडीशनर 5 मिनट तक लगा रहने दें इसके बाद उन्हें वॉश कर लें।

कैजुअल लुक के लिए बेस्ट रहेंगी फुल लेंथ वाली कुर्ती

फैशन

कुर्ती कई सारे मौकों पर पहनी जा सकती है साथ ही ऑफिस में पहनने के लिए भी ये आउटफिट बेस्ट हैं। वहीं अगर आप कैजुअल लुक चाहती हैं तो आप ये फुल लेंथ वाली कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाली फुल लेंथ वाली कुर्ती दिखा रहे हैं जो कैजुअल लुक के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है।

कॉलर नेक कुर्ती

इस तरह की कॉलर नेक कुर्ती आप कैजुअल लुक के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। यह कुर्ती कॉटन फैब्रिक में है और इस तरह की कुर्ती को आप ऑफिस में कैजुअल लुक पाने के लिए वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर ऑप्शन मिल जाएंगे जिन्हें आप 600 से 700 रुपये में खरीद सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप फुटवियर में फ्लैट्स या हील्स पहन सकती हैं साथ ही पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी इस आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

वी नेक कुर्ती

स्टाइलिश लुक के लिए आप इस तरह वी नेक कुर्ती वियर कर सक्तु हैं । इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर और डिजाइन में मिल जाएंगे। इस तरह की कुर्ती आप ऑफिस या कीस मीटिंग के दारण वियर कर सकती हैं। यह कुर्ती आपको 1000 से कम कीमत में आराम से मिल जाएगी इस आउटफिट के साथ आप फुटवियर में फ्लैट्स या हील्स पहन सकती हैं साथ ही पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी इस आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट कुर्ती

इस तरह की कुर्ती भी आप कैजुअल पाने के लिए बेस्ट है। यह फ्लोरल प्रिंट कुर्ती में हैं और ये कुर्ती स्लीवलेस है। इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर और डिजाइन में मिल जाएंगी जिसे आप 500 से लेकर 1000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं साथ जूती भी इस आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं ।

सावन के मौके पर ग्रीन कलर के आउटफिट के साथ ये मल्टी कलर चूड़ियों के लेटेस्ट डिजाइंस

सावन के मौके पर महिलाएं जहां ग्रीन काले आउटफिट पहनती हैं तो वहीं कई महिलएं इस खास मौके पर ग्रीन कलर की चूड़ी भी स्टाइल करती हैं। लेकिन, अगर आप न्यू ट्राई करने का सोच रही हैं तो आप ये मल्टी कलर चूड़ियां स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको मल्टी कलर में कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली चूड़ी दिखा रहे हैं जिन्हें आप सावन के मौके पर आपने आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

मिरर वर्क चूड़ी

अगर आप कुछ न्यू ट्राई करना चाहती हैं तो आप इस तरह के मल्टी कलर चूड़ी अपने आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इन चूड़ी में मिरर वर्क साथ ही कई सारे डिजाइन और मोती का वर्क किया हुआ है। वहीं इस तरह की चूड़ी को आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। यह चूड़ी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन मिल जाएँगी जिसे आप 200 से 500 तक की कीमत में खरीद सकती हैं

स्टोन वर्क चूड़ी

अगर आप कोई ऐसा आउटफिट पहन रही हैं जिसके साथ गोल्डन चूड़ी परफेक्ट मैच करेंगी तो आप ये स्टोन वर्क चूड़ी का भी चुनाव कर सकती हैं, इस चूड़ी में स्टोन वर्क किया हुआ है साथ ही इसमें मोतियों का भी वर्क किया गया है, इस तरह की चूड़ी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन मिल जाएँगी जिसे आप तक 500 की कीमत में खरीद सकती हैं। इस तरह की चूड़ी जहां आपके ऑउटफिट के साथ परफेक्ट मैच करेंगी तो वहीं आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी।

सावन में खूब जचेंगी पैरों में चांदी की पायल

ट्रेडिशनल लुक को पूरा करने के लिए ज्वेलरी का रोल अहम होता है। इसमें नेकलेस और इयररिंग्स तो हम पहनते ही हैं, लेकिन पैरों के खूबसूरती को दोगुना करने के लिए आप बिछिया के साथ में पायल को पहन सकती हैं। पायल के कई डिजाइंस आपको देखने को मिल जाएंगे, लेकिन पैरों की शेप के अनुसार डिजाइन को चुनने से आपको काफी खूबसूरत लुक मिल सकता है। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं पायल के कुछ नए डिजाइंस जिन्हें आप किसी भी फंक्शन या रोजाना के लिए पहन सकती हैं और अपने श्रृंगार को पूरा कर सकती हैं।

कुंदन डिजाइन पायल

कुंदन डिजाइन आजकल काफी चलन में है और इस तरह के फैंसी लुक वाली पायल खासकर नई-नवेली दुल्हनें पहनना पसंद करती हैं। वहीं इस तरह की पायल साड़ी के साथ बेहद खूबसूरत लुक देने में आपकी मदद कर सकती हैं। इसे फैंसी लुक देने के लिए इसमें आप पर्ल भी लगवा सकती हैं।

लेयर डिजाइन फैंसी पायल

चांदी से बनी एक से ज्यादा लेयर वाली पायल आपको आसानी से मिल जाएगी। इस तरह की पायल

में आप अपनी पसंद का स्टोन भी लगवा सकती हैं। बता दें कि इस तरह की पायल आप किसी भी शादी व फंक्शन में पहन सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन पायल

हैवी डिजाइन की पायल को पैरों में पहनना चाहती हैं तो इस तरह के फ्लोरल डिजाइन वाली पायल को आप पैरों में पहन सकती हैं। इस तरह की पायल में आपको मैरून औरग्रीन कलरसबसे ज्यादा देखने को मिल जाएंगे।इसे भी पढ़ें:पायल के ये डिजाइंस बढ़ा देंगे आपके पैरों की शोभा, देखें तस्वीरें

काले मोतियों वाली पायल

कार्नर न्यूज

कुछ नया और अलग ट्राई करना चाहती हैं तो जरूर पहल करें

राजस्थानी अंदाज में सावन को बनाएं स्पेशल, करें अपने लुक को क्रिएट

त्योहार आते हैं, तो हम अपने लिए अलग-अलग तरह के कपड़ों की खरीदारी करते हैं। ऐसा इसलिए ताकि हम अच्छे से तैयार होकर बाहर निकलें तो हर कोई हमारी तारीफ करे। लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि हम एक जैसे कपड़ों को पहनकर बोर हो जाते हैं, जिसकी वजह हमें कुछ नया पहनने का मन अक्सर करता है। अगर आप भी कुछ नया और अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो इसके लिए आप राजस्थानी अंदाज में तैयार हो सकती हैं। इनकी ट्रेडिशनल लुक काफी खास और अच्छा होता है।

राजस्थानी लहंगा चोली करें वियर

राजस्थान में एक ट्रेडिशनल लहंगा चोली होती है, जिसे लड़कियां अपनी शादी में पहनती हैं। यही लहंगा वो किसी खास पूजा या फंक्शन में भी पहनें नजर आती हैं। इसमें बूटा डिजाइन, दबका वर्क और जरकिन का काम होता है। इससे यह लहंगा हैवी लगता है। इसके ब्लाउज पर भी सेम डिजाइन किया जाता है। चुन्नी में गोटा वर्क ज्यादा किया जाता है। इसलिए यह पहनने के बाद अच्छी लगती है। आप भी इस बार सावन में इस राजस्थानी पोशाक को ट्राई कर सकती हैं। यह आजकल हर मार्केट में आसानी से मिल जाती है।

राजस्थानी ज्वेलरी करें वियर

राजस्थानी पोशाक की तरह उनकी ज्वेलरी भी खास होती है। इसमें आपको बाजूबंद, माथा पट्टी, बरोला, नथ, अद और बेसर मिलता है। यह सभी चीजें जब लहंगे के साथ पहनी जाती हैं, तो अच्छी लगती हैं। साथ ही, इससे लुक काफी सुंदर निकलकर आता है। इसके लिए आप किसी भी आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप से शॉपिंग कर सकती हैं, जहां आपको अलग-

राजस्थानी जूती करें वियर

अगर आपको पूरा लहंगा लुक अच्छे से क्रिएट करना है, तो इसके साथ राजस्थानी जूती को स्टाइल करें। जूती में आपको कई सारे अलग-अलग डिजाइन के ऑप्शन मिल जाएंगे। जिसे आप अपने लहंगे के साथ मिक्स मैच करके स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आपको कुछ नए लुक में तैयार होने का मौका मिलेगा। इस बार सावन में ट्राई करें ये राजस्थानी अंदाज इसमें आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आपको कुछ अलग और नया पहनने को मिलेगा।